हर-हर महादेव

हमारा देश हमारा अभिमान

MPHIN36951
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 01, अंक 09 मासिक पत्रिका
मार्च 2022

2 अप्रैल से आरंभ है

चैत्र नवरात्रि

इस बार घोड़े पर आ रही हैं मां भगवती

होगी हर मनोकामना पूरी

कलेक्टर नीमच मयंक अग्रवाल, के साथ चर्चा।

नीमच पुलिस अधीक्षक(एस पी) सूरज वर्मा जी के साथ चर्चा।

नीलेश सोलंकी ,डीकेन चौकी प्रभारी,नीमच जिला

अजय सारवान, कैंट टी आई नीमच

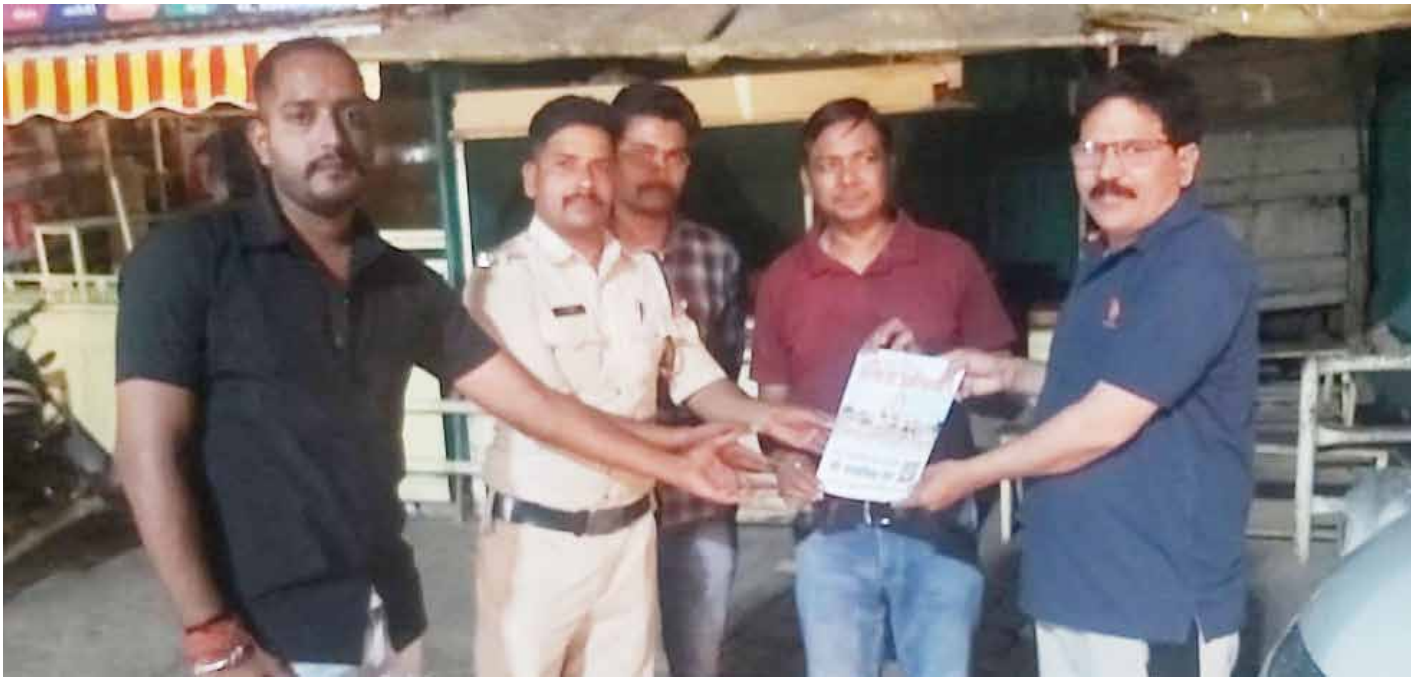

आनंद सिंह आजाद, थाना प्रभारी रतन गढ़ जिला नीमच

हमारा देश
हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल
- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा

संरक्षक मंडल
- श्री लोकेश चतुर्वेदी • श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • श्री अरुण कांत शर्मा, महेश पुरोहित
- विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
- श्री मनोज भारद्वाज, अनिल जैन, निर्मल वासवानी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित : प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन- साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

सलाहकार
- डॉ. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, • डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- अनिल दुबे • विकास चतुर्वेदी • सुरेश शर्मा
- नारायणदास गुप्ता, • पीयूष श्रीवास्तव

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल • संजू

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय 02
शुभाशीष 03
कवर स्टोरी 04-05
.... 06-07
.... 08-09
प्रदेश 10
देश 11
हमारा ग्वालियर 12-13
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 14
राजस्थान 18-19
हमारा ग्वालियर 20-21
हमारा ग्वालियर 20-21
महाराष्ट्र 22
मध्यप्रदेश 23
हमारा ग्वालियर 24-25
हमारा ग्वालियर 26-27
त्यौहार 30
प्रदेश 31
मध्यप्रदेश 32-33
धर्म 40-41
त्यौहार 42
एकादशी व्रत 43
त्यौहार 44-45
ग्लैमर 46-47-48

संपादकीय

कश्मीर फाइल्स मूवी का यथार्थ चित्रण

आज कुछ मित्रों के साथ कश्मीर फाइल्स मूवी देखने का अवसर प्राप्त हुआ। यह मात्र एक मूवी ना होकर कश्मीरी हिंदुओं पर हुए अत्याचार, प्रताड़ना, उनकी वेदना एवं उनके नरसंहार को चित्रण करने का एक दर्पण है। यह सोचकर ही शरीर के रोएं रोएं खड़े हो जाते हैं की जिन अत्याचारों को हम मूवी में देखने में भी विचलित हो रहे हैं, और हमारी रुह सिहर जाती है वही प्रताड़ना, वेदना, और असीम दर्द इस धरती के जन्नत कहे जाने वाले कश्मीर के भाइयों ने सहा। हम बहुत बडभागे हैं की हम भारत के ऐसे हिस्से में रहते हैं जहां हम ऐसे अत्याचारों और नरसंहार की बातों से भी अनभिज्ञ हैं। हमको इतिहास में भी ऐसी हृदय विदारक यातनाओं के बारे एक षड्यंत्र के तहत जानने नहीं दिया गया। साथ ही एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत ही लाखों हिंदू भाई बहनों बच्चों के विस्थापन, हजारों के कत्ल को बहुत ही सुविधापूर्वक कश्मीरी पंडितों का विस्थापन नाम दिया गया, जिससे समस्त हिन्दू समाज की ओर से कोई विरोध ना हो। एक ऐसा तथ्य से परे षड्यंतकारी नैरेटिव गढ़ा गया जिससे भारत के अन्य भागों में रहने वाले अधिकांश भारतीयों को इन कश्मीरी हिन्दू भाइयों बहनों की असीम वेदना का आज भी कोई अंदाजा नहीं है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण किसी देश और देशवासियों के लिए कुछ नहीं हो सकता है की आप अपने देश मैं ही शरणार्थी बन गए। आपको पता ही नहीं चला जिनके साथ आप गंगा जमुनी तहजीब की कावा पी रहे थे उन्होंने बहुत ही शातिर तौर पर आपके पीठ पर खंजर भौंक दिया, आपकी माताओं बहनों का शील तार तार कर दिया। इससे भी ज्यादा शर्मनाक यह की उस समय की सरकार, बुद्धिजीवी, वामपंथी, मीडिया सभी कुंभकर्णी नींद सोते रहे और प्रताड़ना देने वाले को प्रताड़ित का दर्जा देते रहे। यह मूवी उस समय हुए अत्याचारों और नरसंहार का शायद हजारवां हिस्सा भी ना दिखा पाने में समर्थ ना हो पाई हो, लेकिन जितना भी इसमें चित्रण किया गया है वह बहुत मार्मिक है और एक जीवित मनुष्य की आत्मा को झकझोरने का प्रयास करती है, इस देश के छद्म धर्मनिरपेक्षता वादियों को यह मूवी या कोई भी घटना शायद ही जगा पाए क्युकी शायद या तो वो बहुत गहरी नींद में हैं, अथवा केवल उनका शरीर जिंदा है आत्मा मर चुकी है। यह मूवी यह भी सोचने पर विवश करती है की एक भारतीय होने के नाते हमको क्या क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए जिससे इस देश मैं भविष्य में कहीं एक और कश्मीर ना बने, किसी भी जन को अपने ही देश मैं शरणार्थी ना बनना पड़े और बच्चों के सामने मां को आरा मशीन से दो भाग में विभक्त ना होता देखना पड़े। आप कितने भी मजबूत हृदय के क्यों ना हों आपकी आंख से एक बूंद आंसू अवश्य निकलेगा जब आप इसका अंत देखेंगे। आपका मन इतना भारी होगा की आप सोचेंगे की कुछ समय अपनी ही सीट पर बैठे रहें, आप अपने अंदर एक खालीपन सा महसूस करेंगे, और उन लोगों के साथ जुड़ा हुआ महसूस करेंगे जिन्होंने ऐसे अत्याचारों को शशरीर सहा था। हमसे पहली वाली पीढ़ी की यह भारी भूल थी की उन्होंने अपनी अगली पीढ़ी को इस सब के बारे में अच्छे से नहीं बताया, और यह हमारी भयंकर भूल होगी अगर हम अपनी अगली पीढ़ी को इस जीनोसाइड के बारे में ना बताएं। बालू के अंदर सर डालने से खतरा टलता नहीं है।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

बरसाने की अनूठी होली...

फाल्गुन मास की पूर्णिमा को रंगो का त्यौहार होली सबके लिए खुशियों व उमंगो की झोली भरकर लाता है। इस पर्व पर प्रेम और प्यार की बयार और प्रकृति का श्रृंगार देखते ही बनता है। यूं तो हमारा देश त्यौहारों का देश है। लेकिन यदि होली को त्यौहारों का त्यौहार कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रेम प्रसार का प्रतीक पर्व होली सबके मन में उत्साह, उमंग तथा पे्रम का संचार करता है। सभी नर-नारी, बच्चे-बूढ़े इस पर्व पर एक दूसरे को रंगों में रंग डालते हैं और अबीर व गुलाल उड़ाते हुए झांझ, मृदंग, मंजीरे, ढ़ोलक, डपली बजाकर हंसते, गाते तथा नाचते हैं। होली के अगले ही दिन फाग (धुरेंडी) खेला जाता है। इस दिन पूरे भारतवर्ष में यह त्यौहार पूरे शबाब पर होता है। मथुरा, वृन्दावन, गोकूल व बरसाने की होली का तो कहना ही क्या! यहां की होली तो न केवल भारतवर्ष में बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। क्योंकि यहां पर कभी राधा-कृष्ण व गोपियां मिलकर होली खेल चुके हैं और रास रचा चुके हैं। देशभर से लोग मथुरा में होली खेलने पहुंच जाते हैं। वृन्दावन में तो सुबह होते ही पूजा अर्चना के साथ ही होली का मनमोहक खेल शुरु हो जाता है। सभी लोग गुलाल, टेसू के फूल, केसर तथा चंदन आदि के मिश्रित रंगों से एक दूसरे को रंगते हैं, हास-परिहास करते हैं और एक दूसरे को गले लगाकर प्रेम की वर्षा करते हैं। बरसाने की होली बड़ी अनूठी होती है। यहां पर 'लठमार' होली खेली जाती है। इस दिन बरसाने की स्त्रियां, नंदगांव के पुरुषों को डण्डों से पीटती हैं। पुरुष लाठियों तथा अन्य ढ़ंग से ढ़ाल बनाकर स्त्रियों के वारों को निष्फल कर उन्हें चिढ़ाते हैं। खूब हास-परिहास होता है, हुड़दंग मचता है, रंग व गुलाल से पूरा वातावरण रंगमय हो जाता है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

2 अप्रैल से आरंभ है चैत्र नवरात्रि

मां दुर्गा के आशीर्वाद के लिए करें ये कार्य

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह का आरंभ हो चुका है। हर वर्ष सनातन धर्म के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर नौ दिनों तक चैत्र नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में वैसे तो सालभर में 4 बार नवरात्रि मनाई जाती है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि पड़ती है। चैत्र नवरात्रि का पर्व 2 अप्रैल से 11 अप्रैल तक मनाया जाएगा। चैत्र नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है। मां दुर्गा को सुख, समृद्धि और धन की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने से वो अपने भक्तों पर प्रसन्न होती हैं। साथ ही उनकी सारी मनोकामनाएं भी पूरी करती हैं। लेकिन चैत्र नवरात्रि के दौरान कुछ ऐसे कार्य भी हैं जिसको भूलकर भी नहीं करने चाहिए अन्यथा माता दुर्गा नाराज हो सकती है। आइए जानते हैं क्या हैं वो कार्य

नवरात्रि के दौरान गलती से भी न करें ये काम

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह की शुरुआत हो चुकी है और इसी महीने सबसे धर्मिक पर्व चैत्र नवरात्रि पड़ती है। नवरात्रि का महापर्व देश भर में काफी धूम-धाम से मनाया जाता है। इस साल नवरात्रि का ये पावन पर्व 2 अप्रैल, 2022 से 11 अप्रैल तक मनाया जाएगा। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मां दुर्गा को सुख, समृद्धि और धन की देवी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान पूरी श्रद्धा से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने से वो अपने भक्तों पर प्रसन्न होती हैं। साथ ही उनकी सारी मनोकामनाएं भी पूरी करती हैं। लेकिन कुछ ऐसे काम हैं, जिन्हें नवरात्रि के दौरान न करने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातकों पर उसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि के दौरान कौन-कौन से काम नहीं करने चाहिए...

लहसुन-प्याज से करें परहेज

नवरात्रि के दौरान घर में भोग आदि का बहुत ही ज्यादा महत्व होता है और देवी-देवताओं को भोग में सात्विक चीजें ही चढ़ाई जाती हैं। प्राचीन समय से ही लहसुन और प्याज को तामसिक भोजन की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे में इन नौ दिनों में लहसुन-प्याज का सेवन बिल्कुल भी न करें।

मांसाहारी भोजन

नवरात्रि के दौरान भक्त उपवास रखकर मां दुर्गा की पूजा करते हैं। इस दौरान देवी के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। ऐसे में नवरात्रि के दौरान मांसाहारी भोजन से परहेज करना चाहिए।

शराब का सेवन

किसी भी पवित्र त्योहार के दौरान शराब का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। नवरात्रि का महापर्व देवी दुर्गा की उपासना के लिए बेहद पवित्र माना जाता है, इसलिए नवरात्रि के दौरान शराब के सेवन से परहेज करना चाहिए।

बाल और दाढ़ी कटवाना

धार्मिक मान्यता है कि यदि आप नवरात्रि में नौ दिनों का व्रत रखते हैं, तो आपको बाल और दाढ़ी नहीं कटवानी चाहिए। इस दौरान बाल या दाढ़ी कटवाने से भविष्य में सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। ऐसे में नवरात्रि के नौ दिनों में बाल कटवाने से परहेज करना चाहिए।

नाखून काटना

नवरात्रि के दौरान नाखून काटने की मनाही है। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के इन नौ दिनों की अवधि में नाखून काटने से माता क्रोधित हो जाती हैं और अशुभ फल मिलते हैं, इसलिए कुछ लोग नवरात्रि शुरू होने से पहले ही नाखून काट लेते हैं।

चमड़े की चीजें न पहनें

चमड़ा यानी लेदर जानवरों की खाल से बना होता है और इसे अशुभ माना जाता है। ऐसे में नवरात्रि के दौरान चमड़े की चीजें जैसे- बेल्ट, जूते, जैकेट आदि का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि के 9 दिनों तक व्रत रखने वाले जातकों को अपने दाढ़ी-मूंछ, या बाल नहीं कटवाने चहिए। चैत्र नवरात्रि के 9 दिनों तक व्रत रखने वाले जातकों को अपने दाढ़ी-मूंछ, या बाल नहीं कटवाने चहिए। यदि व्रत नहीं भी किया है लेकिन घर में यदि कलश की स्थापना की गई है तो भी परिवार के लोगों को इन चीजों से परहेज करना चाहिए।

- नवरात्रि के दौरान घर में पूरे नौ दिन तक सात्विक भोजन बनना चाहिए।
- नवरात्रि के दौरान घर में पूरे नौ दिन तक सात्विक भोजन बनना चाहिए, तामसिक भोजन जैसे मास-मदिरा या प्याज लहसुन से परहेज करना चाहिए।
- चैत्र नवरात्रि के दौरान यदि किसी जातक ने उपवास रखा है तो उसे दिन में बिल्कुल सोना नहीं चाहिए।
- नवरात्र व्रत करने वाले जातकों नवरात्रि के दौरान चमड़े की वस्तु जैसे बेल्ट, जूते, चप्पल या पर्स आदि धारण नहीं करने चाहिए।
- नवरात्रि के दौरान व्रती साधक फलाहार करते समय एक ही स्थान पर बैठकर फलाहार करें।
- नवरात्रि के दौरान व्रती साधक फलाहार करते समय एक ही स्थान पर बैठकर फलाहार करें। यानी पहले दिन जिस जगह बैठकर आपने फलाहार किया था उसी स्थान पर 9 दिनों तक व्रत खोलें, अन्यथा व्रत का फल प्राप्त नहीं होगा।
- चैत्र नवरात्रि के दौरान यदि आपने घर में मां दुर्गा की अखंड ज्योति जलाई है तो घर खाली नहीं छोड़ना चाहिए।
- चैत्र नवरात्रि के दौरान यदि आपने घर में मां दुर्गा की अखंड ज्योति जलाई है तो घर खाली नहीं छोड़ना चाहिए। घर का कोई भी एक सदस्य घर में अवश्य मौजूद होना चाहिए।
- प्रतिपदा तिथि 1 अप्रैल 2022 को प्रातः 11:53 बजे से शुरू होकर 2 अप्रैल 2022 को प्रातः 11:58 पर समाप्त होगी।8 of 8

चैत्र घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

- चैत्र घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त आरंभः 2 अप्रैल 2022, शनिवार, प्रातः 06:22 बजे से
- चैत्र घटस्थापना के लिए शुभ मुहूर्त समाप्तः 2 अप्रैल 2022, शनिवार, प्रातः 08:31 मिनट पर
- कुल अवधिः 02 घण्टे 09 मिनट
- घटस्थापना का अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:08 बजे से 12:57 बजे तक रहेगा।

इस बार घोड़े पर आ रही हैं माता

जानें इससे पड़ता है क्या असर, पूजा में क्या करें ये विशेष काम

नव संवत्सर के साथ ही चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ 2 अप्रैल 2020 दिन शनिवार को हो जाएगा। चैत्र नवरात्र का महत्व इसी बात से स्पष्ट होता है कि इसी दिन परम पिता ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा पूजा पाठ यज्ञ हवन आदि के लिए श्रेष्ठ अवधि होता है। मां भगवती की पूजा उपासना के लिए भी यह समय श्रेष्ठ होता है, तभी तो चैत्र नवरात्र का आरंभ इसी दिन से हो जाता है । घरों में कलश स्थापना का प्राचीन परंपरा है । कलश स्थापना कब किया जाए, किस मुहूर्त में किया जाए इसका बड़ा महत्व है । इस वर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 2 अप्रैल 2022 दिन शनिवार को हो रहा है चढ़ती का व्रत 2 अप्रैल को किया जाएगा। प्रतिपदा से लेकर के नवमी पर्यंत माता भगवती के नौ रूपों की उपासना की जाती है, पूजा की जाती है। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सूर्योदय काल से लेकर के प्रतिपदा तिथि पर्यंत 12:28 तक श्रेष्ठ समय है। यद्यपि पूरे दिन भर कलश स्थापना किया जा सकता है फिर भी प्रतिपदा तिथि में ही कलश स्थापना का विशेष विधान है। सूर्योदय से लेकर के दिन में 12:28 तक कलश स्थापना कर लिया जाए तो अति उत्तम होगा उसमें भी यदि शुभ चौघड़िया प्राप्त हो जाए तो और भी शुभ फल की वृद्धि हो जाती है। सुबह 7:30 से लेकर के 9:00 बजे तक और दोपहर में 12:00 बजे से लेकर के 12:28 तक शुभ चौघड़िया प्राप्त हो रही हैं जो कलश स्थापना के लिए सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त होगा।

प्रत्येक सनातन धर्म को मानने वाले लोग इस नवरात्र में मंगल ध्वज तोरण आज से अपने घर को सुसज्जित करते हैं ।चैत्र नवरात्रि में भगवती के साथ माता गौरी का भी दर्शन पूजन प्रतिदिन क्रमानुसार किया

जाता है। महा अष्टमी का व्रत 9 अप्रैल दिन शनिवार को किया जाएगा। घर-घर में किया जाने वाला नवमी की पूजा भी 9 अप्रैल दिन शनिवार को ही किया जाएगा। महानवमी 10 अप्रैल दिन रविवार को होगा । नवरात्र से संबंधित हवन पूजन नवमी पर्यंत 10 अप्रैल को रात में 12:08 तक किया जाएगा। रामावतार का पर्व रामनवमी 10 अप्रैल दिन रविवार को सर्वत्र बड़े ही धूमधाम के साथ परंपरा के अनुसार मनाया जाएगा । नवरात्र व्रत का पारण 11 अप्रैल दिन सोमवार को दशमी तिथि में प्राप्त किया जाएगा। देवी भागवत पुराण के अनुसार नवरात्र में माता के आगमन का विचार और गमन का विचार किया जाता है

शशिसूर्ये गजरूढा शानिभौमे तुरंगमे।
गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता ।।

इस प्रकार उपरोक्त के अनुसार इस नवरात्र में माता का आगमन घरों में घोड़े पर हो रहा है। जब भी नवरात्र में माता का आगमन घोड़े पर होता है तो समाज में अस्थिरता , तनाव अचानक बड़ी दुर्घटना, भूकंप चक्रवात आदि से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है । आम जनमानस के सुखों में कमी की अनुभूति होती है। इसलिए इस नवरात्र में माता का पूजन अर्चन क्षमा प्रार्थना के साथ किया जाना नितांत आवश्यक है प्रत्येक दिन विधिवत पूजा के उपरांत क्षमा प्रार्थना किया जाना भी अति आवश्यक होगा लाभदायक होगा।

1563 साल बाद दुर्लभ संयोग में शुरू होगा हिंदू नव वर्ष

सुख-सम्पत्ति बढ़ाने वाले 3 राजयोग में शुरू होगी इस बार नवरात्रि...

2 अप्रैल शनिवार से हिंदू पंचांग का नवसंवत् 2079 शुरू हो रहा है। इसका नाम नल है और राजा शनि देव रहेंगे। शनिवार को ही चैत्र नवरात्र शुरू हो जाएंगे, जो 10 अप्रैल, रविवार तक रहेंगे। इस बार रेवती नक्षत्र और तीन राजयोगों में नववर्ष की शुरुआत होना शुभ संकेत है। साथ ही नवरात्र में तिथि की घट-बढ़ नहीं होने से देवी पर्व पूरे 9 दिन का रहेगा। इस तरह अखंड नवरात्र सुख-समृद्धि देने वाली रहेगी।

1563 साल बाद दुर्लभ संयोग

ज्योतिषाचार्य पं. प्रफुल्ल भट्ट के मुताबिक, इस साल नववर्ष की शुरुआत में मंगल और राहु-केतु अपनी उच्च राशि में रहेंगे वहीं, शनि खुद की ही राशि मकर में होगा। नववर्ष के सूर्योदय की कुंडली में शनि-मंगल की युति से धन, भाग्य और लाभ का शुभ योग बन रहा है। इस योग के प्रभाव से ये साल मिथुन, तुला और धनु राशि वाले लोगों के लिए बहुत शुभ रहेगा। वहीं, अन्य राशियों के लिए बड़े बदलाव का समय रहेगा। ग्रहों का ऐसा संयोग 1563 साल बाद बन रहा है। इससे पहले 22 मार्च 459 को ये ग्रह स्थिति बनी थी। पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र के मुताबिक, ये नववर्ष रेवती नक्षत्र में शुरू होगा। इसके स्वामी बुध हैं। बुध के कारण कारोबार में फायदा होता है, इसलिए इस नक्षत्र में खरीद-बिक्री करना शुभ माना जाता है। व्यापार का कारक बुध भी इस नक्षत्र में रहेगा। इससे बड़े लेन-देन और निवेश के लिए पूरा साल शुभ रहेगा।

साल की शुरुआत मीन राशि में हो रही है। इसके स्वामी गुरु हैं। इसलिए ये समय सबके लिए शुभ रहेगा। मंगल के प्रभाव से प्रॉपर्टी के कारोबार में तेजी आने के योग हैं। वहीं, बृहस्पति के कारण खरीदारी से सुख-समृद्धि बढ़ेगी। साल की शुरुआत मीन राशि में हो रही है। इसके स्वामी गुरु हैं। इसलिए ये समय सबके लिए शुभ रहेगा। मंगल के प्रभाव से प्रॉपर्टी के कारोबार में तेजी आने के योग हैं। वहीं, बृहस्पति के कारण खरीदारी से सुख-समृद्धि बढ़ेगी। इस बार सरल, सत्कीर्ति और वेशि नाम के राजयोगों में नववर्ष की शुरुआत हो रही है, जिससे नवरात्र में खरीदारी, लेन-देन, निवेश और नए कामों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। इन योगों का शुभ फल पूरे साल दिखेगा। इस कारण कई लोगों के लिए ये साल सफलता और आर्थिक मजबूती देने वाला रहेगा। इस साल लोगों के कल्याण के लिए योजनाएं बनेंगी और उन पर काम भी होगा। कई लोगों के लिए बड़े बदलाव वाला साल रहेगा।

शनि राजा और गुरु मंत्री

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी बताते हैं कि इस संवत्सर में ग्रहों के खगोलीय मन्त्री परिषद के 10 विभागों में राजा और मंत्री सहित 5 विभाग पाप ग्रहों के पास तथा 5 शुभ ग्रहों के पास रहेगा। इस वर्ष राजा-शनि, मन्त्री-गुरु, सस्येश-सूर्य, दुर्गेश-बुध, धनेश-शनि, रसेश-मंगल, धान्येश-शुक्र, नीरसेश-शनि, फलेश-बुध, मेघेश-बुध होंगे। नवसंवत्सर 2079 में राजा शनि देव व मंत्री देव गुरु बृहस्पति रहेंगे। ग्रहों में न्यायाधीश शनिदेव कर्म फल से न्याय प्रदान करेंगे, वहीं देव गुरु बृहस्पति मंत्री के रूप में सकारात्मकता बढ़ाएंगे। जब शनि वर्ष के राजा होते हैं तो देश में उत्पात और अव्यवस्था तो बढ़ती है, लेकिन मंत्री गुरु होने से विद्वानों की अच्छी सलाह से मुसीबतें कम हो जाती हैं। इस दौरान धार्मिक कार्य बढ़ेंगे। शिक्षा का स्तर और बढ़ेगा।

9 ग्रहों का राशि परिवर्तन

नववर्ष के शुरू होते ही सभी ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा। अप्रैल में सबसे पहले मंगल 7 तारीख को मकर से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करेगा। इसके अगले दिन बुध मेष राशि में आ जाएगा। फिर 11 अप्रैल को राहु-केतु राशि बदलकर मेष और तुला में आ जाएंगे। 13 को गुरु कुंभ राशि में और 14 को सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में आएगा। इसके बाद महीने के आखिरी में 27 को शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में और 28 को शनि अपनी ही राशि कुंभ में प्रवेश करेगा। चंद्रमा हर ढाई दिन में राशि बदलता ही है। इस तरह नए साल के शुरू होने के महीने भर में ही सारे 9 ग्रह राशि परिवर्तन कर लेंगे।

जानें घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

नवरात्रि के पर्व का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। नवरात्रि में पूरे नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में मां दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि नवरात्रि में विधि पूर्वक पूजा करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और कष्ट, रोग, शत्रु से मुक्ति मिलती है। इस साल यानि 2022 में नवरात्रि का कब पड़ रहा है। आइए जानते हैं।

चैत्र नवरात्रि कब है?

चैत्र माह में पड़ने वाली नवरात्रि को चैत्र नवरात्रि भी कहा जाता है। पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि का पर्व 2 अप्रैल 2022 से 11 अप्रैल 2022 तक मनाया जाएगा। विशेष बात ये है कि इस वर्ष किसी भी तिथि का क्षय नहीं हो रहा है।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

नवरात्रि में घटस्थापना का विशेष महत्व है। पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि में घटस्थापना 02 अप्रैल को की जाएगी. हिंदू कैलेंडर के अनुसार प्रतिपदा तिथि 01 अप्रैल 2022 को सुबह 11 बजकर 53 मिनट पर शुरू होगी जो 02 अप्रैल 11 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त - 2 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 10 मिनट से 8 बजकर 31 मिनट तक.

घटस्थापना अभिजीत मुहूर्त - 2 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा.म्म्

राहुकाल- इस दिन राहुकाल प्रातः 9 बजकर 17 मिनट से प्रातः 10 बजकर 51 मिनट तक रहेगा. शुभ कार्य राहुकाल में निषेध माने गए हैं।

नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ देगा विशेष फल

चैत्र माह की शुरुआत हो गई है और भारतीय नववर्ष की शुरुआत भी इसी माह यानी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होती है। इसी महीने सबसे धर्मिक पर्व चैत्र नवरात्रि भी पड़ती है। नवरात्रि का महापर्व पूरे भारत में काफी धूम-धाम से मनाया जाता है। इस बार मां आदिशक्ति की उपासना का ये पावन पर्व 2 अप्रैल से शुरू होगा 11 अप्रैल तक मनाया जाएगा। मान्यता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा की सच्चे मन से आराधना की जाए तो सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा की साधना विशेष रूप से फलदायी होती है। इन दिनों मां भगवती की प्रसन्नता के लिए जो भी पूजा-अनुष्ठान किए जाते हैं, उनमें दुर्गा सप्तशती का पाठ बेहद ही महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि नवरात्रि में यदि दुर्गा सप्तशती का पाठ नौ दिनों तक पूरे विधि-विधान से किया जाए, तो मां जगदंबे शीघ्र ही प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं।

दुर्गा सप्तशती में 360 शक्तियों का वर्णन किया गया है। साथ ही इसमें महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की महिमा का वर्णन है। मां दुर्गा की साधना के लिए किए जाने वाले दुर्गा सप्तशती के 13 पाठों का अपना विशेष महत्व है। अलग-अलग बाधाओं के निवारण के लिए इनका पाठ किया जाता है। आइए जानते हैं दुर्गा सप्तशती के किस पाठ को करने से क्या फल मिलता है...

दुर्गा सप्तशती का पाठ

प्रथम अध्याय- दुर्गा सप्तशती का प्रथम पाठ करने से जातक की सभी चिंताएं दूर होती हैं।

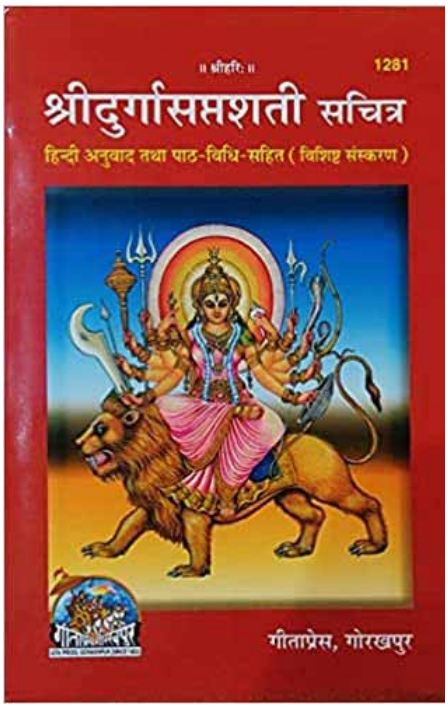

द्वितीय अध्याय- दुर्गा सप्तशती के द्वितीय का अध्याय पाठ करने से हर तरह की शत्रुबाधा दूर होती है। साथ ही कोर्ट-कचहरी आदि से जुड़े मुकदमे में विजय प्राप्त होती है।

तृतीय अध्याय- दुर्गा सप्तशती के तृतीय अध्याय का पाठ करने से जातक के जीवन से शत्रुओं का नाश होता है।

चतुर्थ अध्याय- चतुर्थ अध्याय का पाठ करने से मां शेरावाली के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है।

पंचम अध्याय- पांचवें अध्याय का पाठ करने से भक्ति, शक्ति एवं देवी दर्शन का आशीर्वाद मिलता है।

षष्ठ अध्याय- वहीं दुर्गा सप्तशती के छठवें अध्याय का पाठ करने से जीवन से दुख, दारिद्रय, भय आदि दूर होता है।

सप्तम अध्याय- सातवें अध्याय का पाठ करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

अष्टम अध्याय- आठवां अध्याय वशीकरण एवं मित्रता करने के लिए किया जाता है।

नवम अध्याय- नौवें अध्याय का पाठ संतान की प्राप्ति और उन्नति के लिए किया जाता है।

दशम अध्याय- वहीं दसवें अध्याय का पाठ करने पर नौवें अध्याय के समान ही फल प्राप्त होता है।

एकादश अध्याय- एकादश यानी ग्यारहवें अध्याय का पाठ तमाम तरह की भौतिक सुविधाएं प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

द्वादश अध्याय- दुर्गा सप्तशती के बारहवें अध्याय के पाठ को मान-सम्मान एवं लाभ दिलाने वाला माना गया है।

त्रयोदश अध्याय- इसके अलावा दुर्गा सप्तशती के तेरहवें अध्याय का पाठ विशेष रूप से मोक्ष एवं भक्ति के लिए किया जाता है।

नवरात्रि पर मां दुर्गा शीघ्र होंगी प्रसन्न, बस नौ दिन तक राशि के अनुसार करें मंत्र जाप

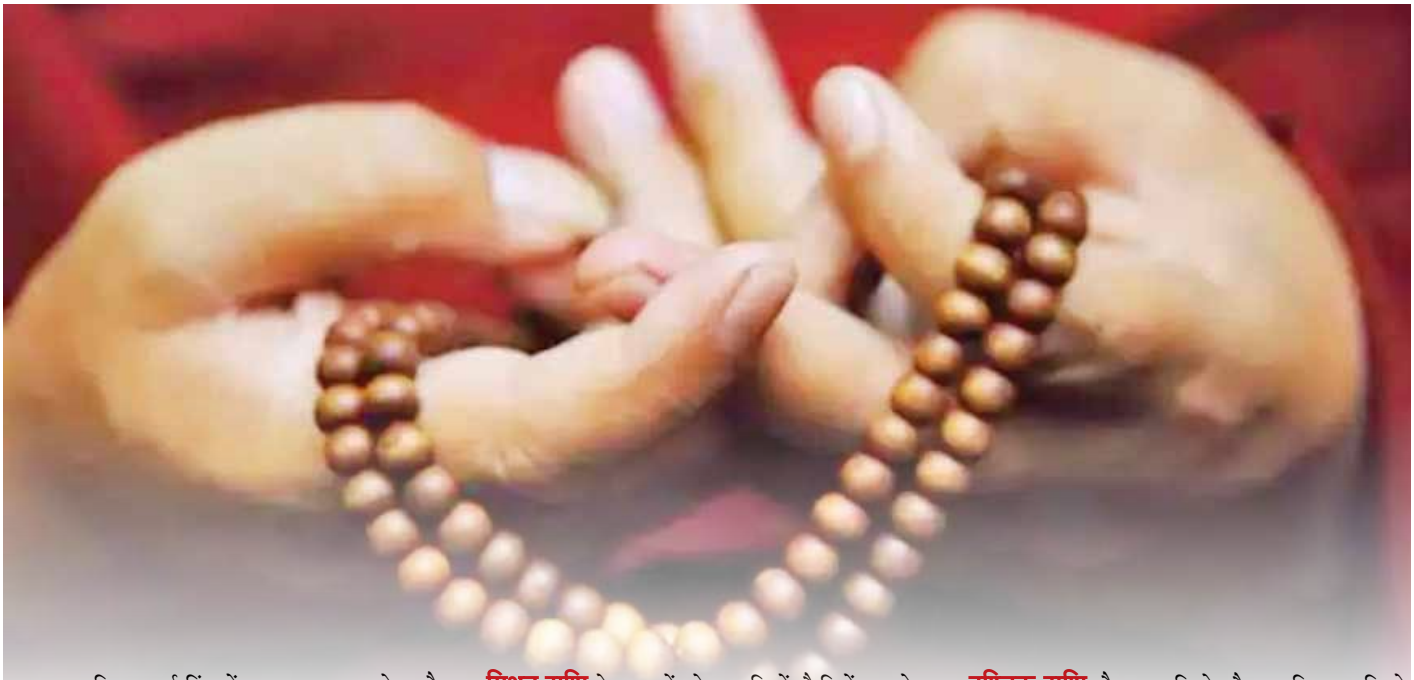

नवरात्रि का पर्व हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। इसे बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से इसका बहुत ही ज्यादा महत्व है। नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 2 अप्रैल (शनिवार) से 11 अप्रैल (सोमवार) तक मनाई जाएगी। चैत्र नवरात्रि पर देवी दुर्गा और उनके नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार नवरात्रि का पहला दिन हिन्दू नववर्ष का आरंभ माना जाता है। अलग-अलग राज्य इस त्योहार को अलग-अलग नामों से पहचानते हैं, महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा के नाम से जाना जाता है जबकि कश्मीर में इसे नवरेह के नाम से जाना जाता है। नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व घटस्थापना या कलश स्थापना के साथ शुरू होता है। मान्यता है कि इन नौ दिनों में यदि श्रद्धापूर्वक माता की पूजा की जाए तो माता रानी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यदि आप नवरात्रि के दौरान देवी दुर्गा के समक्ष अपनी कोई मनोकामना रखना चाहते हैं तो इन नौ दिन अपनी राशि के अनुसार विशेष मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से माताराणी शीघ्र प्रसन्न होंगी और आपको इच्छित फल की प्राप्ति होगी।

मेष राशि के जातकों को श्रद्धानुसार 5, 7, 9, 11, 21 माला का जाप करना चाहिए। मेष राशि के जातकों को नवरात्रि के नौ दिन तक ॐ ह्रीं उमा देव्यै नमः या ॐ महायोगायै नमः मंत्र का जाप करें। मेष राशि के जातकों को श्रद्धानुसार 5, 7, 9, 11, 21 माला का जाप करना चाहिए।

वृषभ राशि के जातक को इस मंत्र का 7, 9, 11 माला जाप करना चाहिए। वृष राशि के जातक अपनी मनोकामना की पूर्ति के नवरात्रि के पूरे नौ दिन ॐ क्रां क्रीं क्रूं कालिका देव्यै नमः या ॐ कारक्यै नमः मंत्र का जाप करें। वृषभ राशि के जातक को इस मंत्र का 7, 9, 11 माला जाप करना चाहिए। इस मंत्र का जाप करने से आपका मनोरथ सिद्ध होगा।

मिथुन राशि के जातकों को नवरात्रि में नौ दिनों तक रोज ॐ दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जाप कम से कम एक माला जरूर करना चाहिए। मिथुन राशि के जातकों को नवरात्रि में नौ दिनों तक रोज ॐ दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जाप कम से कम एक माला जरूर करना चाहिए।

कर्क राशि के जातकों को मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए ॐ हस्त्नीयै नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। कर्क राशि के जातकों को मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए ॐ ललिता देव्यै नमः या ॐ हस्त्नीयै नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र का जाप नवरात्रि के नौ दिन रोजाना कम से कम 108 बार जरूर करें।

सिंह राशि के जातकों को माताराणी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंत्र का 7, 9, 11 माला जाप करना चाहिए। चैत्र नवरात्रि के दौरान सिंह राशि के जातकों को माताराणी की कृपा प्राप्त करने के लिए ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वती देव्यै नमः या ॐ त्रिपुरांतकायै नमः मंत्र का जाप करें। इस मंत्र का 7, 9, 11 माला जाप करना चाहिए।

कन्या राशि के जातकों को मां दुर्गा के मंत्र का जाप करने से इच्छित वर की प्राप्ति होगी। कन्या राशि के जातकों को नवरात्रि में ॐ शूल धारिणी देव्यै नमः या ॐ विश्वरुपायै नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र के जाप से इच्छित वर की प्राप्ति होगी।

तुला राशि के जातक चैत्र नवरात्रि में रोजाना कम से कम 108 बार मंत्र का जाप करें। तुला राशि के जातक चैत्र नवरात्रि के पूरे नौ दिन ॐ ह्रीं महालक्ष्म्यै नमः या ॐ रोद्रवेतायै नमः मंत्र का जाप वाले पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ करें। इस मंत्र का जाप कम से कम 108 बार जरूर करें, इससे मां दुर्गा जरूर प्रसन्न होंगी और आपको मनचाहा फल प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि चैत्र नवरात्रि के दौरान वृश्चिक राशि के जातकों को देवी दुर्गा के मंत्र ॐ शक्तिरूपायै नमः या ॐ क्लीं कामाख्यै नमः का जाप करना चाहिए. नवरात्रि के पूरे नौ दिन इन मंत्रों का जाप करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होगी। इस मंत्र का 5, 7 या 9 माला जाप करना चाहिए।

धनु राशि के जातकों को नवरात्रि के दौरान ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे मंत्र का जाप करना चाहिए। धनु राशि के जातकों को नवरात्रि के दौरान ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे या फिर ॐ गजाननाय नमः मंत्र का जाप करना चाहिए। चैत्र नवरात्रि में नौ दिनों तक इस मंत्र का जाप करने से काफी समय से रुकी हुई इच्छा की पूर्ति होगी।

मकर राशि मां दुर्गा की शीघ्र अतिशीघ्र कृपा प्राप्त करने के लिए मकर राशि के जातकों को चैत्र नवरात्रि के पूरे नौ दिन ॐ पां पार्वती देव्यै नमः या ॐ सिंहमुख्यै नमः मंत्र का जाप करना चाहिए।

कुंभ राशि के जातक अपनी मनोकामना पूर्ति के के लिए ॐ सिंहमुख्यै नमः मंत्र का जाप करें। कुंभ राशि के जातक भी यदि चाहते हैं कि उनकी मनोकामना जल्द ही पूरी हो तो उन्हें ॐ पां पार्वती देव्यै नमः या ॐ सिंहमुख्यै नमः मंत्र का जाप करना चाहिए।

मीन राशि के जातकों को विशेष लाभ की प्राप्ति हेतु चैत्र नवरात्रि के पूरे नौ दिन मां दुर्गा के मंत्र ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं दुर्गा देव्यै नमः का जाप करना चाहिए। मीन राशि के जातकों को विशेष लाभ की प्राप्ति हेतु चैत्र नवरात्रि के पूरे नौ दिन मां दुर्गा के मंत्र ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं दुर्गा देव्यै नमः का जाप करना चाहिए। इससे मीन राशि के जातकों को आकस्मिक धन लाभ भी मिल सकता है।

जल जीवन पर केंद्रित होगा मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला- पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस

आदिशक्ति के पर्व चैत्र नवरात्र के अवसर पर बुरहानपुर के ग्राम धामनगांव में नव वर्ष गुड़ी पड़वा 2 अप्रैल से श्री राम नवमी 10 अप्रैल 2022 तक मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेले का आयोजन होगा। जिसमें प्रतिदिन अनेक आयोजन होंगे। नवरात्रि के 9 दिनों तक भूमिगत जल पुनर्भरण को समर्पित होकर गांव-गांव में जल चेतना के संकल्प और संकल्प से सिद्धी की ओर कार्य किए जाएंगे। इस वर्ष का ग्रामोदय मेला जल शक्ति से जल जीवन पर क्रेन्द्रित होगा।

वहीं जनसंवाद, भजन संध्या, कीर्तन, कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिता, कांटा कुश्ती का दंगल, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान, महिलाओं एवं बच्चों के लिए मीना बाजार, झुले, चौपाटी, मिक्की माउस, ऊंट, घोड़े, कुल्फी, आईस्क्रीम, बर्फ के गोले की दुकानों सहित युवक, युवतियों की पसंदीदा कपड़ों की दुकानें इस आयोजन की मुख्य विशेषता होगी। यह जानकारी ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी मंदिर परिसर में मेले की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस ने दी। बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा कर विचार-विमर्श किया गया।

मां वाघेश्वरी ग्रामोदय मेला की सफलता हेतु मार्गदर्शक मंडल एवं प्रबंधन समिति का गठन भी किया गया। मां वाघेश्वरी देवी ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक किसन पाटिल है। मेला संयोजक जनपद पंचायत अध्यक्ष किशोर पाटिल, सह संयोजक विनोद चौधरी, अध्यक्ष दिनकर नारायण पाटिल, उपाध्यक्ष संजय पवार, सचिव प्रदीप पाटिल एनपुरकर एवं सह-सचिव नीतिन महाजन को बनाया गया है। मेले में 9 दिनों तक मंदिर प्रांगण स्थित मेला परिसर में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसमें 2 अप्रैल से प्रतिदिन जनजागृति कार्यक्रम अंतर्गत जल संरक्षण पानी रोको एवं स्वच्छता अभियान सहित अनेक कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन प्रातः8 बजे से क्रिकेट प्रतियोगिता होगी तो सायंकाल 5 बजे से कबड्डी प्रतियोगिताओं के मुकाबले होंगे। 8 अप्रैल 2022 को दोपहर 3 बजे से कांटा कुश्तियों का शानदार दंगल होगा। 8 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से श्रीराम जन्मोत्सव निमित्त महाप्रसादी हेतु भंडारे का आयोजन होगा। ज्ञात हो कि क्षेत्र की जागरूक जनप्रतिनिधि एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस द्वारा लगभग 14 वर्षों से चैत्र नवरात्रि के 9 दिनों तक ग्राम धामनगांव स्थित मां वाघेश्वरी देवी मंदिर परिसर अंतर्गत ग्रामीण परिवेश के आवासीय संरचना में रूकती है।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भव्य गांधी मेले का शुभारंभ कर लंदन ब्रिज का फीता काटा ड्रेगन ट्रैन में बैठे

बुरहानपुर शहर के लालबाग रोड पर श्री कृष्ण मंगल परिसर में भव्य गांधी मेले का शुभारंभ हुआ खण्डवा लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रविवार को इसका शुभारंभ किया है लंदन ब्रिज का फीता काटा। इसके बाद सांसद पाटिल ने मेले का आनन्द लिया। वें ड्रेगन ट्रैन में भी बैठे। इसके बाद मेले का भ्रमण किया। इस दौरान युवा, बच्चों सहित बड़े भी सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ पड़े। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने लोगों से मुलाकात की। सांसद पाटिल ने कहा पिछले 2 वर्ष से कोरोना संक्रमण के कारण शहर में बड़े आयोजन नहीं हो पा रहे थे। आज गांधी मेले में पहुंचा तो देखा लोगों के चेहरों पर वहीं पुरानी मुस्कान देखकर अच्छा लगा।

विदेश जाने की भारतीय छात्रों की मजबूरी पिछली सरकार जिम्मेदार- मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिकित्सा शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों के विदेश जाने के लिए बृहस्पतिवार को पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उनकी सरकार देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है ताकि छात्र देश में ही मेडिकल शिक्षा पा सकें।

प्रधानमंत्री मोदी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से लौटे उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के छात्रों के एक समूह से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। उन्होंने उन छात्रों तथा उनके परिवारों के साथ भी सहानुभूति जताई जिन्होंने यूक्रेन में परेशानियों का सामना करने के बाद प्रधानमंत्री के खिलाफ भी अपना गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस संकट में उनका नाराज होना स्वाभाविक है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे कठिनाइयों और ठंड का सामना कर रहे हैं। सरकार ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' शुरू किया है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान कई छात्रों ने आभार जताया और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए सरकार की तारीफ की। इस दौरान मोदी ने कहा कि जब नाराज छात्र वस्तुस्थिति को समझेंगे तो अपना प्यार भी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि इन परेशानियों का जवाब एक मजबूत भारत ही है। मोदी ने कहा, अगर पहले की चिकित्सा शिक्षा नीतियां सही होतीं तो आपको विदेश नहीं जाना पड़ता। उन्होंने कहा कि कोई माता-पिता नहीं चाहते कि इतनी कम उम्र में उनके बच्चे विदेश जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी

सरकार पिछली गलतियों को सही करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले देश में 300 से 400 मेडिकल कॉलेज थे और अब उनकी संख्या करीब 700 है। इनमें सीटों की संख्या 80-90 हजार से बढ़कर डेढ़ लाख हो गयी है।

मोदी ने कहा, ''मेरा प्रयास है कि हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज हो। अगले 10 साल में संभवतः पिछले 70 साल से अधिक डॉक्टर बनकर निकलेंगे।'' उन्होंने कहा कि कम उम्र में छात्रों को विदेश नहीं जाना पड़े, यह बड़ी बात होगी और उनके अभिभावकों को इतना तनाव नहीं झेलना होगा। मोदी ने छात्रों से बातचीत में कहा कि सभी को देश के लिए कुछ करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आपको दूसरे देश में इस आयु में अकेले ऐसे अनुभव से जूझना पड़ा। मैं आपकी मानसिक स्थिति की कल्पना कर सकता हूं।अब हम लोगों को सही से निकालने में सक्षम हैं।'' उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के तहत वाराणसी के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री से छात्रों ने अपने अनुभव साझा किये।

स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की महिला से लूट तो बेटे ने की छेड़छाड़...

स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि वर्मा, उसकी पत्नी और बेटे के खिलाफ महिला के साथ छेड़छाड़, लूटपाट और मारपीट करने का केस कविनगर थाने में दर्ज किया गया है। रिपोर्ट दर्ज कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि रवि वर्मा के बेटे ने सोते समय उसके साथ अश्लीलता की और विरोध करने पर मारपीट की। बाद में रवि वर्मा और उसकी पत्नी ने उसपर लाइसेंसी हथियार तानकर चेन और हाथों के कड़े लूट लिए। आरोपियों पर कपड़े फाडऩे का भी आरोप है। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सिहानी गेट थानाक्षेत्र में रहने वाली पीड़ित महिला का कहना है कि 25 फरवरी को वह राजनगर में रहने वाली अपनी भतीजी के घर गई हुई थीं। रात में वह भतीजी के घर पर ही रुक गईं। आरोप है कि 26 फरवरी को सुबह करीब सवा 10 बजे जब वह भतीजी के कमरे में सोई हुई थीं, तभी रवि वर्मा का बेटा अभिषेक वहां आ धमका और उनके साथ अश्लीलता करने लगा। नींद

से जागी महिला ने उसका विरोध किया तो अभिषेक ने मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच रवि वर्मा और उसकी पत्नी संगीता वर्मा भी वहां आ गए और उन्हें धक्का देते हुए महिला के कपड़े फाड़ दिए। महिला का कहना है कि रवि वर्मा ने अपनी लाइसेंसी बंदूक उनके माथे पर तान कर उनसे गले की चेन और हाथों के कड़े लूट लिए।

आरोप है कि वारदात के दौरान रवि वर्मा ने खुद को स्वर्णकार समाज का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताते हुए धमकाया कि उसकी पहुंच ऊपर तक है। स्थानीय पुलिस.प्रशासन उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। पीड़िता ने आरोपियों से अपने और परिवार की जान माल को खतरा बताते हुए थाने में शिकायत की। घटना के बाद से पीड़िता डिप्रेशन में हैं। उन्होंने न सिर्फ पुलिस से बल्कि अपने समाज के लोगों से भी न्याय की मांग की है। वहीं, सीओ कविनगर अवनीश कुमार का कहना है कि रवि वर्मा और उसकी पत्नी संगीता वर्मा व बेटे अभिषेक वर्मा के खिलाफ छेड़छाड़, लूटपाट और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आईएसबीटी को मिली स्वीकृति के बाद अब शहर को मिलेगा अत्याधुनिक बस टर्मिनस का लाभ

चौपाटी की तर्ज पर स्मार्ट सिटी दो और स्थलों को करेगी विकसित

ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा नगर पालिका निगम के अंतर्गत सड़को का निर्माण और उन्नयन का कार्य अमृत योजना के कार्य पूर्ण होने के बाद ही शुरू किया जाए ताकि बनाई जा रही सड़के खराब ना हो सके यह बात आज मंगलवार को स्मार्ट सिटी की एडवाइजरी फोरम की बैठक में सांसद श्री विवेक शेजवलकर ने वर्चुअल माध्यम से जुडकर कही। उन्होंने स्मार्ट सिटी के तहत ग्वालियर शहर में जुड़ रहे आयामों के रख-रखाव और संधारण की पुख्ता व्यवस्था करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा विकास कार्यों के संधारण की व्यवस्था ऐसी हो जिससे शहरवासियों को विकास कार्यों का लाभ लंबे समय तक मिल सके।

मंगलवार को महाराज बाड़ा स्थित स्मार्ट सिटी द्वारा पुर्नविकसित डिजिटल म्यूजियम के मुख्य हॉल में आयोजित इस बैठक में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रदुमन सिंह तोमर, बीज निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, एएसपी ट्रैफिक श्री अभिनव चौकसे, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती जयति सिंह सहित एडवायजरी फोरम के सदस्य गण सर्व श्री राजेन्द्र सेठ, कुलदीप भारद्वाज व डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा सहित अन्य सदस्यगण व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के साथ ही ग्वालियर शहर के प्रवेश द्वार और स्मार्ट स्कूल शिक्षा-नगर, प्रेस बिल्डिंग का उन्न्यन कार्य, दो अन्य स्थलो पर चौपाटी का विकास और उन्न्यन कार्य सहित स्मार्ट सिटी द्वारा प्रगतिरत अन्य विकास कार्यों पर भी विचार मंथन हुआ।

सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने बैठक में कहा की गार्वेज ट्रांसफर स्टेशन निर्माण कार्य सहित अन्य विकास कार्यों के लिए विस्तृत योजना तैयार कर कार्य शुरु किया जाये। और एडवाइजरी फोरम तथा अन्य जनप्रतिनिधियों की सहमति के बाद ही इसे अंतिम रूप दें।

प्रदेश के उर्जा मंत्री श्री प्रदुम्न सिंह तोमर नें भी स्मार्ट सिटी द्वारा किए जा रहे कार्यों में संधारण और मॉनीटरिंग की प्रभावी व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। बैठक में स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह नें श्री तोमर और फोरम के सदस्यो को शहर में चल रहे एलईडी स्ट्रीट लाइट के कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध करवाई श्री तोमर नें अगले 15 दिनो में शहर की स्ट्रीट एलइडी लाइट के संधारण कार्य पूर्ण रुप से ठीक करने के निर्देश भी बैठक में दिये। उन्होने सीईओ स्मार्ट सिटी को निर्देशित किया कि यदि संबंधित कंपनी द्वारा इस कार्य में कोई भी लापरवाही बरती जाये तो संबंधित कंपनी पर कठोर कार्यवाही की जाये।

बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी ने स्मार्ट सिटी के तहत शहर के विभिन्न प्रवेश द्वार को स्थानीय शिल्प कलाकारो की समिती बनाकर उनको इस कार्य में शामिल करने का सुझाव दिया। वही इनके अलावा श्री राजेन्द्र सेठ, श्री कुलदीप भारद्वाज तथा डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में फोरम के सदस्यो ने स्मार्ट सिटी द्वारा शहर मे फसाड लाइटिंग सहीत अन्य विकास कार्यो की सराहना की गई।

स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बनाये जाने वाले आईएसबीटी सहित अन्य कार्यों के संबंध में बैठक में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत डिजिटल लाइब्रेरी, कटोराताल, चौपाटी, कटोराताल एवं म्यूजिकल फाउंटेन सहीत ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व की इमारतों पर फसाड लाइटिंग जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं भी पूर्ण हो चुकी हैं। जिसका लाभ जनता को मिल रहा है। वहीं उन्होंने इन सभी स्मार्ट विकास कार्यों के बारे में प्रजेण्टेशन के माध्यम से बैठक में उपस्थित सदस्यो को सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने स्मार्ट सिटी के तहत हुजरात मंडी का निर्माण, गोख़ी परिसर में स्कूल औऱ अटल म्यूजियम, शहर के विभिन्न प्रवेश द्वार, स्मार्ट स्कूल शिक्षा नगर योजना के बारे में भी जानकारी दी। बैठक में स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम व शहर में एलईडी लाइटिंग लगाने सहित अन्य विकास कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा हुई।

ग्वालियर की आईटीएमएस परियोजना के क्रियान्वयन को मिली सराहना

बैठक में सीईओ श्रीमती सिंह ने अड्वाइज़री फ़ोरम के सदस्यों को हाल ही में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में ग्वालियर शहर की आईटीएमएस प्रणाली को मिली सराहना की जानकारी दी। श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तर पर ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित आईटीएमएस परियोजना ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है । ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा डिजिटल तकनीक के माध्यम से साइन किये गये चालान, वाट्सैप सेवा का उपयोग जैसे आयाम तलाशे जा रहे हैं जिन्हें सराहा गया और इन्हें अब नई नीति में शामिल किया जायेगा। साथ ही ग्वालियर स्मार्ट सिटी अपने बेहतर क्रियान्वयन के मॉडल को अन्य सिटी के साथ साझा करेगी। गौरतलब है कि जनता में यातायात नियमों के प्रति सजगता में भी सुधार देखा जा सकता है । नियमों के पालन तथा चालान की राशि जमा करने में भी ग्वालियर के नागरिक आगे हैं।

अत्याधुनिक सुविधाओं से पूर्ण

• हेरिटेज थीम बिल्डिंग • ग्रीन बिल्डिंग के अनुरूप निर्माण • व्यवस्थित रूप से बसों की पार्किंग व आवागमन • बेहतर पार्किंग सुविधा • स्थानीय अर्तव्यवस्था के खुलेंगे आयाम • यात्रियों के लिए विश्रामग्रह व अन्य जन सुविधाएँ दो और स्थल चौपाटी की तर्ज पर किये जायेंगे विकसित

श्रीमती सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में सम्पन्न एचपीएससी की बैठक में आईएसबीटी निर्माण के अलावा दो स्थलों को चौपाटी की तरह विकसित करने की परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की गई है । इन स्थलों का विकास *60 डे चैलेंज* के रूप में किया जायेगा। इस परियोजना के अन्तर्गत हजीरा क्षेत्र के इंटक मैदान तथा मुरार घासमंडी को चयनित किया गया है । इन स्थलों के विकास से जल्द ही वहाँ के स्थानीय लोग अपने परिजनों व मित्रों के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकेंगे तथा जायक़ेदार भोजन का भी लुत्फ़ उठा सकेंगे।

गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने किया प्रदेश स्तरीय डे-नाइट वॉलीबॉल युवक-युवती प्रतियोगिता का शुभारंभ

डबरा शहर की स्टेडियम ग्राउंड में पहली बार डे नाइट युवक एवं युवती 22वी प्रदेश स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है इस आयोजन लेकर डबरा शहर में एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है स्टेडियम ग्राउंड में रात के समय लगी लाइटों से जगमंगाते स्टेडियम में एक अलग ही रोचक बॉलीबॉल मैच देखने को मिला।इस भव्य आयोजन का शुभारंभ गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया इस मौके पर गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने अपने भाषण की शुरुआत फिल्मी गीत जिंदगी की राहों में रंजो गम के मेले हैं भीड़ है कयामत की फिर भी हम अकेले हैं से कि साथ ही कहा कि यह स्थिति वर्तमान दौर में मोबाइल ने पैदा कर दी है। आज के समय में मोबाइल ने सब कुछ गड़बड़ कर दिया इसके कारण बच्चे मैदान से कट गये जिसके कारण बच्चों को कई प्रकार की बीमारीयों ने घेर लिया है यही कारण है आज पुराने दौर के खेल बच्चे भूल चुके है आज के दौर में इस प्रकार के कई आयोजन होते रहने चाहिये उन्होंने बच्चों से कहा कि यही समय है जो तुम्हें आने बाले समय याद आयेगा।इस अवसर पर मंच से उठाई गई स्पोर्ट्स के द्वारा पुलिस में नौकरी की बात पर कहा कि आने वाले समय में पुलिस में काफी बड़ी संख्या में भर्ती निकाली जाएंगी इसकी चर्चा मुख्यमंत्री जी से हो गई है।कार्यक्रम में भोपाल,इंदोर,जबलपुर,उज्जैन, छिंदवाडा,चंबल ज़ोन सहित कुल 24 टीमें शामिल हो रही है जिनमे 12 बालक और 12 बालिका वर्ग की टीम शामिल है।इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष अशोक गौतम,जिला ग्रामीण अध्यक्ष कौशल शर्मा,पूर्व मंडी अध्यक्ष मुकेश बंटी गौतम अमन गौतम ,मुकेश परिहार,जीतू शिवहरे,सोनू शर्मा,दीपक मिश्रा,सहित सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ी को और नगर के युवा मौजूद रहे।

महिला सशक्ति करण पर विशेष चर्चा एवं सभी को शुभकामनाएं

महिला सशक्तिकरण एक ऐसा विषय है जिस पर जितना लिखा जाए कम ही होगा आज की नारी शिक्षित है जो अपने आत्म सम्मान के साथ आत्मनिर्भर भी है आज नारी अबला नहीं सबला है जो कि किसी भी रूप में अपना योगदान दे रही है आर्थिक रूप से सामाजिक रूप से, धार्मिक रूप से किसी भी समस्या का समाधान कर सकती है जरूरत पड़ने पर दुर्गा काली भी बन जाती है अपने परिवार का भी मजबूत स्तम्भ होती है। महिलाओं के बिना हम समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

श्रीमती जयति सिंह(आई ए एस) ,सी ई ओ स्मार्ट सिटी ग्वालियर

श्री मति निविता गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर जॉन

श्रीमती शीतला पटले(आई ए एस) अपर आयुक्त ,सागर

शिभांगी जादौन, एएओ नगरपालिका डबरा

नाम-भारती टिलवानी

शैक्षणिक योग्यता-एम ए (अर्थ शास्त्र)
विश्व सिन्धी सेवा संगम संस्थान के माध्यम से समाज सेवा
श्री श्री रविशंकर जी की संस्था ऑर्ट ऑफ लिविंग-के माध्यम से समाज सेवा
रूचि- संगीत और साहित्य

निक्की पंजावी, पैरोथैरेपी विशेषज्ञ

इंदू राजपूत क्लर्क
डबरा नगरपालिका

बबीता सिंह परिहार

VISHWA SINDHI SEVA SANGAM

विश्व सिंधी सेवा संगम وشوسنڌي سيوا سنگم

BUILDING & CONNECTING SINDHI LEADERS WORLDWIDE

REG N O.: 1329 - 2019
Sr No. 1243

CONGRATULATIONS

SMT. RESHMA TILWANI

BEING APPOINTED AS

PRESIDENT
DISTRICT WOMEN'S WING VSSS
NEEMACH MP STATE
TILL : 31/12/2022

DR. RAJU MANWANI
(INTERNATIONAL CHAIRMAN VSSS)

GOPAL SAJNANI
(FOUNDER CHAIRMAN VSSS)

GOPAL SAJNANI
(Founder Chairman)
9820048254

DR RAJU MANWANI
(International Chairman)
9820020457

RAMESH BASRANI
(Chief Patron)
9821322385

ANOOP THARWANI
(Acting Chairman Men Co-Founder)
9820192091

LATA AWTANEY
(Acting chairperson W/W)
971506445486

BHARAT WATWANI
(International President)
9810088219

GAURI CHHABRIA
(International President W/W)
9820955050

ANAND SABDANI
(International President Yuva)
9826393891

USHA SAJNANI
(International Chairperson)
8422905041

MAHESH CHHABRIA
(National President)
9843098585

ASHA DEMBLA
(National President W/W)
9900727698

RAHUL KHUBCHANDANI
(Nationsl President Yuva)
9329823045

REGD.OFFICE 8A, SINDHI BAUG, TILAK ROAD OPP. AXIS BANK, GHATKOPAR (E),MUMBAI - 400077.

पॉलिसी के मैच्योर होने का झांसा देकर 1.53 करोड़ ठगे, साइबर सेल ने दबोचा

सेक्टर 34 थाने में पिछले वर्ष 28 अगस्त को दर्ज हुआ था धोखाधड़ी की धाराओं में केस

शहर में साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस का साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल लगातार ऐसे मामलों में अपराधियों की धर पकड़ भी कर रहा है। ऐसे ही एक मामले में सेल ने आरोपी को दबोचा है। मामला 1.53 करोड़ रुपए की बड़ी ठगी से जुड़ा है। आरोपी 7 साल तक एक सीनियर सिटीजन को ठगते रहा। 2021 में उन्हें इसका अहसास हुआ और पुलिस को शिकायत दी। सेक्टर 34 थाने में पिछले वर्ष 28 अगस्त को धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज हुआ था। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहाली के मुंडी खरड़ के 28 वर्षीय विपुल सोनी के रुप में हुई है। सेक्टर 34 के साधू सिंह नामक व्यक्ति ने यह केस दर्ज करवाया था। सूत्रों के मुताबिक आरोपी एक बार हैदराबाद में भी गिरफ्तार हुआ था।

शिकायतकर्ता के मुताबिक उन्हें रवि मिश्रा, कमलेश कुमार, प्रदीप कुमार, विमल दुबे, अंकित मिश्रा, एफआरडीआई, इंडियन क्लब, सीवी सर्विसेज, एडवेंचर मार्ट इंडिया, शताक्षि सर्विस, स्टैंडर्ड सर्विसेज और सनशाइन सर्विस ने उनके साथ ठगी की थी। इन्होंने उनकी पॉलिसी मैच्योर होने का झांसा देकर ठगी की थी। पुलिस का कहना है कि फर्जी नामों से गैंग ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। रवि मिश्रा ने खुद को पैसे वितरण विभाग का कर्मी बताया। वहीं शिकायतकर्ता को कहा कि वह उनकी पॉलिसी को देख रहा है। शिकायतकर्ता ने उस पर भरोसा कर लिया। रवि मिश्रा और बाकी आरोपियों ने उन्हें एफआरडीआई, इंडियन क्लब, सीवी सर्विसेज, एडवेंचर मार्ट इंडिया, शताक्षि सर्विस, स्टैंडर्ड सर्विसेज और सनशाइन सर्विस के बैंक खातों में 1.53 करोड़ रुपए जमा करवाने को लेकर झांसे दिए। रवि मिश्रा ने शिकायतकर्ता को कहा कि यदि पैसे ट्रांसफर न किए तो सारी रकम उड़ जाएगी।

4 दिन के रिमांड पर आरोपी, पुलिस खुलवाएगी राज

वर्ष 2014 में यह घपला आरोपियों ने शुरु किया था और वर्ष 2020 तक करते रहे। 2021 में शिकायतकर्ता को अहसास हुआ कि उनके साथ भारी ठगी हुई है। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। इंस्पेक्टर हरि ओम शर्मा और उनकी टीम ने गहन जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उसका 4 दिन का रिमांड लिया है। मामले में उसके बाकी साथियों और ऐसी अन्य वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है। इंस्पेक्टर हरि ओम शर्मा ने बताया कि पता चला है कि आरोपी पूरे भारत में सीनियर सिटीजन को अपना शिकार बनाते थे। उन्हें उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी के मैच्योर होने का झांसा देकर उनके साथ ठगी को अंजाम देते थे। आरोपी खुद को इंश्योरेंस कंपनी का कर्मी बताते थे। शिकार को बताया जाता था कि वह पैसे वितरण विभाग में काम करते हैं। सीनियर सिटीजन से वह इस तरह बात करते थे कि उन्हें झांसे में ले लेते थे।

बिल्डर के घर आयकर का छापा, 3 घंटे पूछताछ

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को अभयखंड में एक बिल्डर के घर छापा मारा। सुबह दस बजे अधिकारियों की टीम ने पहुंचकर घर को अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद परिवार के लोगों से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। हालांकि इस बारे में अधिकारियों ने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

मूलरूप से बलिया के रहने वाले बिल्डर चंद्रजीत पाठक अभय खंड में कोठी नंबर-30 (पाठक) में परिवार के साथ रहते हैं। यहां पर सुबह करीब दस बजे से आयकर विभाग की छापा जारी है। अधिकारियों ने परिवार के किसी भी सदस्य को बाहर नहीं निकलने दिया और घर में रोजाना की तरह काम करने पहुंची घरेलू सहायिका को भी अधिकारियों ने नाम-पता पूछकर लौटा दिया।

आयकर के छापा को लेकर सख्ती बरती गई। अधिकारियों से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। दोपहर के समय दस अधिकारियों के लिए बाहर से खाना मंगवाया गया। विकास नाम के डिलीवरी मैन को भी घर के अंदर नहीं जाने दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक चंद्रजीत पाठक के घर में छह सदस्य हैं। वह मंगलवार शाम को विदेश से लौटे हैं।

SC ने केरल सरकार को लगाई फटकार, कहा-

मंत्री के पर्सनल स्टाफ को 2 साल की सर्विस के बाद देते हैं आजीवन पेंशन

OMC ने पहले से ही बढ़ते जा रहे आर्थिक बोझ की दुहाई दी तो सुप्रीम कोर्ट ने उसे फटकार लगाते हुए कहा कि अपने गैर जरूरी खर्चों पर तो आप ध्यान नहीं देते और दूसरी ओर शिकंजा कसते हैं। हालांकि इस फटकार के बाद पीठ ने केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को केरल हाई कोर्ट जाने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को प्रदेश के स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले थोक डीजल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ याचिका दायर करने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट में दाखिल अर्जी में केएसआरटीसी ने ऑयल मार्केटिंग कंपनी (OMC) पर मनमानी का आरोप लगाया।

जस्टिस अब्दुल नजीर और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने केरल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यहां तो आपके पैसे की कमी लग रही है। लेकिन आप अपने मंत्रियों के लिए पर्सनल स्टाफ 2 साल के लिए भी नियुक्त करते हैं तो उनको आजीवन पेंशन देते हैं। तब कैसे आपके पास अफरात धन होता है, तब आपको पैसे की कमी नहीं खलती?

दरअसल केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा कि सार्वजनिक उपक्रम यानी पीएसयू के तहत आने वाली ऑयल मार्केटिंग कंपनी (OMC) ने बड़ी मात्रा में

डीजल खरीदने और खपत करने वालों को 1 फरवरी से बाजार भाव से महंगा डीजल सप्लाई करने की नीति बनाई है। जिससे जनता पर बोझ बढ़ता जा रहा है। OMC का यह फैसला मनमाना और भेदभावपूर्ण है।

OMC ने पहले से ही बढ़ते जा रहे आर्थिक बोझ की दुहाई दी तो सुप्रीम कोर्ट ने उसे फटकार लगाते हुए कहा कि अपने गैर जरूरी खर्चों पर तो आप ध्यान नहीं देते और दूसरी ओर शिकंजा कसते हैं। हालांकि इस फटकार के बाद पीठ ने केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को केरल हाई कोर्ट जाने को कहा।

बजट के लाभ कई वर्षों तक मिलेंगे, निजी क्षेत्र के लिए निवेश बढ़ाने का वक्त : आरबीआई

17 मार्च निजी क्षेत्र को आर्थिक सुधार की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए रिजर्व बैंक ने एक लेख में कहा है कि आम बजट 2022-23 में बुनियादी ढांचे को पहली प्राथमिकता देने के फायदे कई वर्षों तक मिलेंगे। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया है, इस संदर्भ में, 2022-23 के लिए केंद्र के जीएफडी (सकल राजकोषीय घाटा) में 0.4 प्रतिशत अंक की कमी एक प्रमुख शुरुआती बिंदु है और राज्यों को इसका मिलान करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा संसद में एक फरवरी को पेश किए गए आम बजट में सरकार के पूंजीगत व्यय को 35.4 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव किया गया था। लेख में बजट का जिक्र करते हुए कहा गया है, ''हमारी गणना से पता चला है कि बुनियादी ढांचे को पहली प्राथमिकता देने की इस रणनीति के फायदे कई वर्षों तक मिलेंगे, जो 2025-26 में चरम पर होगा।'' लेख में कहा गया कि ऐसे में यह निजी निवेश को बढ़ावा देने और पुनरुद्धार की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सही वक्त है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और जरूरी नहीं कि वे रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हों।

डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 800 अरब डॉलर होगी : सीतरमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने और आय स्तर में वृद्धि के साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 800 अरब डॉलर का स्तर पार कर सकती है। सीतारमण ने आईआईटी बॉम्बे पूर्व-छात्र संगठन को डिजिटल ढंग से संबोधित करते हुए कहा कि भारत में 6,300 से अधिक वित्त-प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं, जिनमें से 28 प्रतिशत निवेश प्रौद्योगिकी में, 27 प्रतिशत भुगतान खंड में, 16 प्रतिशत उधारी खंड में और नौ प्रतिशत बैंकिंग बुनियादी ढांचे में हैं, जबकि 20 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अन्य क्षेत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि ये वित्त-प्रौद्योगिकी कंपनियां विभिन्न गतिविधियों में फैली हुई हैं।

वित्त मंत्री ने कहा, एक आकलन के मुताबिक भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था 2020 में 85-90 अरब अमेरिकी डॉलर तक है और इसके 2030 तक बढ़कर 800 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत में इंटरनेट की पहुंच बढ़ने और आय स्तर में वृद्धि के कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-केवाईसी और ई-आधार जैसी तकनीक के साथ शेयर बाजारों तक पहुंच को आसान बनाया है, जिससे बाजार में खुदरा निवेशक बढ़े हैं।

शहीद लक्ष्मण सिंह की प्रतिमा का अनावरण

विरांगना और उनके बच्चों से मंत्री ने कराया प्रतिमा का अनावरण

उद्योग, मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत एवं विधायक श्री मंजीत धर्मपाल चौधरी ने वीरांगना श्रीमती सुशीला देवी एवं उनके पुत्र ऋषभ व पुत्री पायल से शहीद लक्ष्मण सिंह की प्रतिमा का अनावरण कराया। उद्योग मंत्री श्रीमती रावत ने रविवार को मुण्डावर के ग्राम सुन्दबाडी में सीआरपीएफ के हवलदार शहीद लक्ष्मण सिंह की प्रतिमा का अनावरण कर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे वीर जाबाज सैनिकों के पराक्रम की वजह से ही हम आज खुले आसमान में चेन की सांस ले पा रहे हैं। उनके अदम्य साहस और पराक्रम को देश कभी नहीं भुला सकता है। उन्होंने कहा कि वे हर परिस्थिति को अपने अनुकूल ढालकर हमारी सीमाओं पर मुश्तैदी से तैनात होकर हमारी सुरक्षा करते हैं।

श्रीमती रावत ने कहा कि गांव के सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं सडक का शहीद के नाम से नामकरण शीघ्र कराया जाएगा। साथ ही स्कूल में खेल मैदान विकसित कराने, उसकी चार दीवारी एवं उसमें रनिंग ट्रेक बनवाने के लिए विकास अधिकारी को प्रस्ताव बनाकर कार्य कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गांव के स्कूल को अंग्रेजी माध्यम का कराने का प्रस्ताव शिक्षा विभाग में भिजवाया जाएगा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा शहीद परिवार को देय पैकेज एवं अन्य सुविधाओं को समयबद्ध रूप से दिलाया जाएगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि राज्य सरकार की योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाए तथा चिरंजीवी बीमा योजना से जुडकर अपने परिवार को 10 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य बीमा करावे। मुण्डावर

विधायक श्री मंजीत धर्मपाल चौधरी ने कहा कि शहीद हवलदार लक्ष्मण सिंह ने अपनी कुर्बानी देकर राठ क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनकी शहादत से ग्रामीण अंचल के युवाओं को सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने की प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सैनिकों के परिवार के सहयोग के लिए पूर्णरूप से प्रतिबध है। जयपुर से आए सीआरपीएफ के पुलिस महानिरीक्षक श्री विक्रम सिंह सहगल ने बताया कि सीआरपीएफ के हवलदार लक्ष्मण सिंह 212वीं बटालियन में वर्ष 2001 में भर्ती हुए थे। 19 मार्च 2018 को छत्तीसगढ के सुकमा में नकसलवादी हमले में उन्होंने अपने प्राण देश के लिए न्यौछावर किए थे। वे अपने पीछे मां श्रीमती केसर देवी, पत्नी श्रीमती सुशीला देवी, पुत्री पायल एवं पुत्र ऋषभ सहित भरेपूरे परिवार को छोड गए है।

इस दौरान मुण्डावर प्रधान श्रीमती सुनीता महेश गुप्ता, बानसूर प्रधान श्रीमती सुमन यादव, श्री जयसिंह, श्री मांगेराम, श्री संदीप चौधरी, श्री रामपाल यादव, श्री अजय चौधरी, श्री जगबीर जाट, श्री बख्तावर गुर्जर, श्री राजेन्द्र जाट, श्री अवधेश भारद्वाज सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं ग्रामीण भी उपस्थित थे।

समाज में महिलाओं के लिए समानता के वातावरण निर्माण हेतु बौद्धिक वर्ग का चिन्तन अपेक्षित...

जयसाहित्य की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल - 2022 में शुक्रवार को आयोजित सत्र THE SACRED FEMININE में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने सत्रा का शुभारंभ किया। इस सत्र मे प्रसिद्ध साहित्यकार अरुधन्ती सुब्रमण्यम, अलका पाण्डे एवं मालाश्री लाल ने परिचर्चा की। अपने उद्बोधन में श्रीमती भूपेश ने महिलाओं और बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए सभी से सहयोग की अपील की। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम को समर्पित महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से इस सत्रा में सहभागिता की गई। श्रीमती भूपेश ने प्रदेश में शिशु लिंगानुपात में सुधार एवं बालिका शिक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। कन्या भ्रूण हत्या, बालिकाओं को शिक्षा से वंचित रखना या पढ़ाई बीच में ही छुड़वा देना,

बाल-विवाह, दहेज-प्रथा, महिलाओं के विरूद्ध हिंसा जैसे मुद्दों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता जताई। उन्होने महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। उन्होने बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में एक हजार करोड़ रुपये की आईएम शक्ति निधि का गठन किया है। जिसके माध्यम से विभाग द्वारा अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य एवं माहवारी स्वच्छता हेतु निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा शुरु की गई आई एम शक्ति उड़ान योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजनान्तर्गत 1 करोड़ 25 लाख किशोरियों एवं महिलाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। साहित्य की संजीदगी के माध्यम से बेटियों और महिलाओं के प्रति सकारात्मक दिशा में समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन के लिए जेएलएफ का ये मंच प्रभावी भूमिका निभाए इस हेतु निरंतर बौद्धिक चिन्तन के माध्यम से प्रभावी कदम उठाये जाने की मंशा व्यक्त की।

दांडी मार्च की वर्षगांठ पर निकाली गई शांति यात्रा

वर्तमान हालात में गांधी जी का अहिंसा का संदेश प्रासंगिक : सीएम गेहलोत

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि यूक्रेन में अभी जो अशांति की स्थिति है, उसमें गांधी जी के अहिंसा के संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। किसी भी देश की अखण्डता के लिए शांति एवं अहिंसा का मार्ग सबसे महत्वपूर्ण है। आज हमारे देश में जो तनाव का माहौल है, उसमें हमें गांधी जी के बताए सत्य, अहिंसा एवं शांति के मार्ग को अपनाकर सद्भाव कायम करने की जरूरत है। श्री गहलोत शनिवार को दांडी मार्च की 92वीं वर्षगांठ पर जे.एल.एन. मार्ग स्थित खादी बोर्ड परिसर में बने शांति एवं अहिंसा निदेशालय से गांधी सर्किल तक निकाली गई शांति यात्रा के बाद आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए एवं शांति एवं अहिंसा निदेशालय के नए कार्यालय का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री के साथ राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्य, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, गांधीवादी विचारक, अधिकारी एवं आमजन शांति एवं अहिंसा निदेशालय से पैदल चलकर गांधी सर्किल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन 1930 में गांधी जी ने दांडी मार्च निकालकर नमक सत्याग्रह किया और अंग्रेजों को झुकना पड़ा। शांति यात्रा के माध्यम से आज गांधी जी के बताए मार्ग पर चलने तथा देश एवं पूरे विश्व में शांति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर को पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर हमें सदैव अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए एवं अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। श्री गहलोत ने कहा कि आजादी के आंदोलन में गांधी जी के

योगदान और उनकी शिक्षाओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार हर सम्भव प्रयास कर रही है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां देश के इस गौरवमय इतिहास को कभी न भूलें। उन्होंने कहा कि राजस्थान में देश के पहले शांति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना गांधी जी की शिक्षाओं एवं उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। अन्य राज्य भी गांधी जी के शांति एवं अहिंसा के संदेश को युवाओं तक पहुंचाने के लिए यह पहल करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि गांधीवादी विचारधारा पर चलकर हम सभी देश की एकता व अखंडता को बनाए रख सकते हैं। विशिष्ट अतिथि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी धर्म, जाति एवं वर्ग पर आधारित भेद-भाव मिटाकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री बृज किशोर शर्मा, समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा, बगरू विधायक श्रीमती गंगा देवी, शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ के निदेशक श्री मनीष शर्मा सहित अन्य जन प्रतिनिधियों, एनसीसी, स्काउट-गाईड एवं गांधीवादी विचारकों ने शांति यात्रा में शामिल होकर शांति व अहिंसा का संदेश दिया।

किसानों के फसल बीमा के लिए देश में 18 एवं प्रदेश में सात कम्पनिया कार्यरत- कृषि मंत्री

कृषि मंत्री श्री लाल चन्द कटारिया ने सोमवार को विधानसभा में स्पष्ट किया कि फसल बीमा योजना के लिए पूरे देश में 18 कम्पनियां एवं राजस्थान प्रदेश में सात कम्पनियां कार्य कर रही है। श्री कटारिया ने प्रश्नकाल में विधायकों द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गये पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि फसल बीमा योजना के अन्तगत किसानों द्वारा फसल बीमा करवाने के लिए जो सात एग्रीकल्चर इन्श्योरेन्स कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड, एस.बी.आई जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी ऑफ लिमिटेड, फ्यूचर जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी ऑफ लिमिटेड, यूनिवर्सल शैम्पों जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, एच.डी.एफ.सी मैट्रो जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, बजाज जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड एवं बजाज रिलायन्स जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया पूरे देश में किसानों के फसल बीमा के लिए 18 कम्पनियां एवं राजस्थान में काम कर रही सभी सात कम्पनियां भारत सरकार द्वारा अधिकृत है। इससे पहले विधायक श्री अविनाश के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में किसानों की फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसल बीमा किया जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य में भारत सरकार द्वारा जारी योजना गाइडलाइन अनुसार खरीफ 2020 से रबी 2022-23 की अवधि हेतु लगातार तीन वर्षों के लिये राज्य में एक जिले के लिये एक ही बीमा कम्पनी को फसल बीमा व्यवसाय करने हेतु अधिकृत किया गया है।

इसके तहत राज्य में 33 जिलों में 7 बीमा कम्पनियां वर्तमान में फसल बीमा का कार्य कर रही हैं। श्री कटारिया ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भारत सरकार द्वारा जारी गाईड लाईन के अनुसार वर्तमान में बीमा कम्पनियों का चयन प्रतिवर्ष आधार पर न किया जाकर तीन वर्ष की अवधि के लिये किया जाता है। इस हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत राज्य में 10 कलस्टर (जिलों के समूह) बनाये गये हैं।

प्रो एक्टिव सोच के साथ समय पर पूरी करें घोषणाएं : मुख्यमंत्री श्री गेहलोत

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार का ध्येय है कि बजट घोषणाएं समय पर धरातल पर उतरें, ताकि उनका लाभ जल्द से जल्द आमजन को मिल सके। सभी विभागों के अधिकारी गुड गवर्नेंस की दिशा में बिना किसी देरी के बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 के राजस्थान के बजट की पूरे देश में चर्चा है। जिस संवेदनशीलता, मानवीय नजरिए और विकास के विजन के साथ यह बजट पेश किया गया है, उतनी ही तत्परता और प्रो एक्टिव सोच के साथ इन घोषणाओं को पूरा करने का रोडमैप तैयार करें। श्री गहलोत मंगलवार को शासन सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति को लेकर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सभी बजट घोषणाएं सोच-समझकर और समुचित वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखकर की हैं। इनमें किसी तरह की वित्तीय बाधा नहीं आने दी जाएगी। अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित घोषणाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द क्रियान्वित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस बजट में हमने चिरंजीवी योजना में 10 लाख रूपए तक कैशलेस इलाज, सभी सरकारी अस्पतालों के आउटडोर और इनडोर में निशुल्क उपचार जैसी बड़ी घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में चल रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के काम को गति दी जाए।

श्री गहलोत ने कहा कि पूर्व पेंशन योजना लागू करने की घोषणा राज्य सरकार ने पूरी तरह सोच-समझकर और कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए की है। पूरे देश में इस घोषणा का सकारात्मक संदेश गया है। करीब 9 साल पुरानी कृषि कनेक्शनों की पेंडेंसी खत्म करने, सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने, घरेलू बिजली बिलों पर अनुदान देने, एक लाख भर्तियां करने जैसी घोषणाओं को जल्द पूरा करने के लिए अधिकारी तैयारियों में जुट जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट की कई घोषणाएं ऐसी हैं, जिनमें विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना है। इन घोषणाओं को पूरा करने के लिए विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि राजस्व, स्थानीय निकाय एवं नगरीय विकास विभाग नए राजकीय कार्यालयों के लिए भूमि आवंटन प्रकरणों को शीघ्रता से निस्तारित करें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन देना हमारी सरकार का मूल मंत्र है। अधिकारी इस सोच को निचले स्तर तक क्रियान्वित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी जनसमस्याओं का प्रभावी निराकरण कर हर फरियादी को न्याय मिलना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने बजट घोषणाओं की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि विगत तीन बजट में 1695 घोषणाएं की गईं, जिनमें से 1419 (84 प्रतिशत) की स्वीकृति जारी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बजट 2022-23 में की गई बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने के लिए सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरोरा ने बताया कि विभागों ने इस वर्ष की घोषणाओं के संबंध में प्रस्ताव वित्त विभाग भिजवाना शुरू कर दिया है। अब तक 715 घोषणाओं में से करीब 80 की वित्तीय स्वीकृति जारी भी हो चुकी है।

प्रदेश को तम्बाकू मुक्त बनाने की राह पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग...

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और चिकित्सा मंत्री श्री परसादी लाल मीणा ने राज्य को तम्बाकू मुक्त और निरोगी बनाने की परिकल्पना संजो रखी है। इसे मूर्त रूप देने में चिकित्सा विभाग पूरी तरह जुटा हुआ है। विभाग ने 100 दिवसीय कार्ययोजना बनाई है और ग्राम, ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर इसे साकार करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

बकौल चिकित्सा मंत्री किसी भी चीज के इस्तेमाल से रोकने के लिए सबसे पहले आमजन में जागरूकता होना बेहद जरूरी है। इसके लिए विभाग द्वारा तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में प्रचार-प्रसार गतिविधियां व विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जा रहा है। चिकित्सा मंत्री श्री परसादी लाल मीणा के द्वारा समस्त जन प्रतिनिधियों को अभियान की क्रियान्विति के लिये पत्र लिखे जा रहे हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर कोटपा अधिनियम की अवहेलना पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही पर भी जोर दिया जा रहा है।

चिकित्सा मंत्री का कहना है कि तम्बाकू मुक्त राजस्थान अभियान की कार्ययोजना में युवाओं एवं आमजन को तम्बाकू उत्पादों का उपभोग नहीं करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। तम्बाकू उपभोग कर रहे लोगों को तम्बाकू उपभोग छोड़ने के लिये प्रेरित कर उन्हें तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवायें उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रदेश में संचालित समस्त विद्यालय, कॉलेज एवं अन्य समस्त शिक्षण संस्थानों को निर्धारित किये गये 9 इंडिकेटर्स के आधार पर तम्बाकू मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा। सभी जिलों में ग्राम स्तर, ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर तम्बाकू नियंत्रण विषय पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तरीय स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों तथा शहरी क्षेत्रों में महिला आरोग्य समितियों के माध्यम से नारा लेखन एवं अन्य जागरूकता गतिविधियां आयोजित करवाई जा रही हैं। विद्यार्थियों द्वारा ग्राम, ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित कर उनमें से श्रेष्ठ पाए गए 3 विद्यार्थियों को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

बजट से हर वर्ग को दी राहत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि बजट घोषणाओं के माध्यम से राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों की उम्मीदों एवं आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है। नये अस्पताल एवं स्कूल खोलने, सड़क सुविधा से जोड़ने जैसे स्थानीय विकास के कामों के साथ-साथ किसानों को कृषि कनेक्शन देने, सरकारी अस्पतालों में ओपीडी एवं आईपीडी को निशुल्क करने तथा बिजली बिल में सब्सिडी जैसे प्रावधानों से हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की गई है। हमारा प्रयास है कि राज्य के छोटे से छोटे गांव और ढाणी में बसे लोगों तक भी इन घोषणाओं का लाभ पहुंचे। श्री गहलोत बजट घोषणाओं पर आभार व्यक्त करने बुधवार को शाहपुरा, संगरिया, जैसलमेर, बूंदी, ब्यावर आदि स्थानों से मुख्यमंत्री निवास पहुंचे विभिन्न प्रतिनिधिमण्डलों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार हमारी सरकार ने अलग से कृषि बजट प्रस्तुत किया और किसानों एवं पशुपालकों के लिए अनेक घोषणाएं की। इसी तरह निर्धन एवं जरूरतमंदों, महिलाओं, कर्मचारी वर्ग, कारोबारियों, उद्यमियों, खिलाड़ियों, युवाओं सहित समाज के हर तबके को लाभांवित करने का प्रयास किया है। शाहपुरा विधायक श्री आलोक बेनीवाल ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र को भी विकास कार्यों के रूप में भरपूर सौगात मिली हैं।

उन्होंने इनके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। अखिल भारतीय रैगर महासभा, राव राजपूत महासभा, अखिल राजस्थान सफाई मजदूर कांग्रेस, ऑल वेडिंग इण्डस्ट्री फेडरेशन, आरएफसी ऑफिसर्स एसोसिएशन सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधिमण्डलों ने भी सम्बन्धित बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया।

सचिन पायलट को मिल सकती है कांग्रेस में बड़ी जिम्मेदारी...!

सीडब्ल्यूसी में सचिन पायलट के सभी सदस्यों ने तारीफ की थी। खासकर प्रियंका गांधी ने उनकी खूब प्रशंसा की। जिसके बाद से सियासी गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या कांग्रेस ने सचिन पायलट को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस में मंथन का दौर जारी है। हाल ही में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि वह पार्टी के हित में किसी भी त्याग के लिए तैयार हैं, जिसके पास सीडब्ल्यूसी में शामिल कांग्रेस नेताओं ने उनके नेतृत्व में भरोसा जताते हुए उनसे आग्रह किया कि संगठनात्मक चुनाव संपन्न होने तक वह पद पर बनी रहें। इसके बाद सोनिया गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बनी हुई हैं।

उस बैठक में प्रियंका गांधी ने यूपी चुनाव को लेकर बहुत कुछ कहा था। प्रियंका गांधी ने सीडब्ल्यूसी की बैठक में कहा कि जिन नेताओं को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए बुलाया गया वो नहीं आए। सिर्फ सचिन

पायलट ने चुनाव में पार्टी के लिए काम किया। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि मैं सचिन पायलट, भूपेश बघेल, दीपेंद्र हुड्डा का धन्यवाद करती हूं। जिन्होंने पूरे विधानसभा चुनाव में पार्टी का सहयोग किया।

सीडब्ल्यूसी में सचिन पायलट के सभी सदस्यों ने तारीफ की थी। खासकर प्रियंका गांधी ने उनकी खूब प्रशंसा की। जिसके बाद से सियासी गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या कांग्रेस ने सचिन पायलट को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, क्या उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा पद मिलेगा या राजस्थान में उनके लिए कुछ खास है। खैर ये तो समय ही बताएगा कि सचिन पायलट का सियासी सफर कैसा रहता है।

इसके साथ ही हम आपको यह भी बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ पंजाब सांसदों की बैठक हुई, जिसमें काफी हंगामा हुआ है। पंजाब के सांसदों ने सोनिया गांधी से कहा, कि पंजाब की हार के लिए प्रभारी हरीश चौधरी स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अजय माकन जिम्मेदार हैं। इस बैठक में सीधे तौर पर हरीश चौधरी के ऊपर खुलकर आरोप लगाए गए हैं। फिलहाल कांग्रेस सक्रिय नजर आ रही है। कांग्रेस में फिर से जान डालने की जरूरत है और इसके लिए उसे पार्टी में कुछ न कुछ बदलाव करने होंगे।

संबंध न बनाने पर महिला खिलाड़ी को दी टीम से निकालने की धमकी...

आरोपी कोच का नाम शुद्धोधन सहदेव अंभोरे है और इसपर महिला खिलाड़ी के साथ यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा है। कोच ने महिला खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाने का झांसा दिया था। मामला 30 जुलाई 2018 का है।

महाराष्ट्र के अकोला में एक बड़ा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोच ने महिला कबड्डी खिलाड़ी को पहले झांसा दिया फिर उसके साथ यौन शोषण कर उसे गर्भवती कर दिया। इस मामले में कोर्ट ने कोच को दोषी ठहराया था क्योंकि आरोपी के खिलाफ कई ठोस सबूत मिले थे। आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी कोच का नाम शुद्धोधन सहदेव अंभोरे है और इसपर महिला खिलाड़ी के साथ यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा है। कोच ने महिला खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाने का झांसा दिया था। मामला 30 जुलाई 2018 का है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि, आरोपी कोच ने उसके साथ शारिरिक संबंध बनाने के लिए धमकी देता था। महिला को टीम से निकालने की धमकी देता था जिसके कारण मजबूरन महिला खिलाड़ी को कोच की बात माननी पड़ी। इस बीच महिला गर्भवती भी हो गई। सरकारी अस्पताल में महिला ने छोटी बच्ची को जन्म तक दिया लेकिन स्पताल कर्मियों को शक हुआ कि ये महिला खिलाड़ी अविवाहित मां बनी है। अस्पताल ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी और महिला खिलाड़ी से पूछताछ कर सारी बात का खुलासा किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ शुरू कर दी गई।

आरोपी कोच ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। उसने कहा कि, यह बच्ची उसकी नहीं है। पुलिस ने आरोपी का डीएनए टेस्ट कराया जिससे साफ पचा चल गया कि बच्ची का पिता आरोपी कोच ही है। एक अनय खिलाड़ी से भी छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को कोर्ट द्वारा कोच को दोषी माना गया है। कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और साथ ही 3.10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वहीं एक अन्य महिला कबड्डी खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ मामले में भी आरोपी कोच शुद्धोधन अंभोरे को धारा 354 के तहत 5 साल और धारा 506 के तहत 2 साल कारावास की सजा सुनाई गई है।

पिता, भाई, दादा और रिश्तेदार किसी ने नहीं छोड़ा... 5 सालों तक नाबालिग के साथ करते रहे गंदा काम

नाबालिग लड़की के दादा और दूर के चाचा भी उसके साथ छेड़छाड़ करते थे। पुणे पुलिस ने नाबालिग के साथ बलात्कार और छेड़छाड़ के मामले में भारतीय दंड सहिता आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है लेकिन अभी तक किसी भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मुंबई के पुणे से एक बड़ी ही चौंका देने वाली खबर सामने आ रही है जहां एक नाबालिग लड़की के साथ उसके भाई और पिता ने अलग-अलग मौकों पर कथित तौर पर बलात्कार किया है। बताया जा रहा है कि, नाबालिग लड़की के दादा और दूर के चाचा भी उसके साथ छेड़छाड़ करते थे। पुणे पुलिस ने नाबालिग के साथ बलात्कार और छेड़छाड़ के मामले में भारतीय दंड सहिता आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है लेकिन अभी तक किसी भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाबालिग लड़की का भाई जो कि 11 साल का है और पिता जिसकी उम्र 45 साल की है के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत पुणे के एक पुलिस स्टेशन में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था वहीं नाबालिग के दादा जिसकी उम्र 60 साल के आस-पास बताई जा रही है और दूर के चाचा जिसकी उम्र 25 साल के आसपास है पर धारा 354 के तहत आरोप लगाए गए थे। जानकारी के लिए बता दें कि, पीड़िता और उसके परिवार वाले बिहार के रहने वाले है और सभी पुणे में रहते हैं। पुणे पुलिस अश्विनी सतपुते ने कहा कि, लड़की के साथ ऐसी घटना हो रही थी इसका पता उसके स्कूल से चला। स्कूल में गुड टच एंड बैड टच पर एक सेशन चल रहा था और उसी दौरान लड़की ने इसका खुलासा किया। पुलिस ने कहा कि, उसके साथ यह गंदा काम पिछले पांच सालों से हो रहा था। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता के साथ पिता ने साल 2017 में यौन उत्पीड़न किया जब वे बिहार में रह रहे थे। वहीं लड़की के भाई ने नवंबर 2020 के आसपास उसका यौन शोषण करना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि, उसके दादा और दूर के चाचा उसे गलत तरीके से छूते थे। इंस्पेक्टर सतपुते ने कहा कि सभी घटनाएं अलग-अलग हुई हैं, आरोपी को एक-दूसरे की हरकतों की जानकारी नहीं हो सकती है, यह सामूहिक बलात्कार का मामला नहीं है। पुलिस ने कहा कि यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम की धाराओं को जोड़ा जाएगा।

रायसेन की घटना दुखद : अपराधियों को मिलेगा कठोरतम दंड- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार 18 मार्च की रात्रि रायसेन जिले की खमरिया ग्राम के पास हुई वारदात के घायलों से आज हमीदिया अस्पताल जाकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री चौहान एक-एक घायल से व्यक्तिगत रूप से मिले। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह घटना दुखद है। गोली चलाना कोई साधारण अपराध नहीं है। अपराधियों को किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घायलों का बेहतर से बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वारदात में मृतक श्री राजू आदिवासी के परिवार को 5 लाख रूपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर घायल श्री हरि सिंह और श्री रामजी भाई को 2-2 लाख रूपए की राशि दी जाएगी। घायल श्री नरेन्द्र की आँख में चोट है, जिन्हें भी 2 लाख रूपए की सहायता दी जाएगी। अन्य घायलों को भी 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी घायलों की स्वास्थ्य जाँच और संपूर्ण उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी घायलों का इलाज पूर्णतः

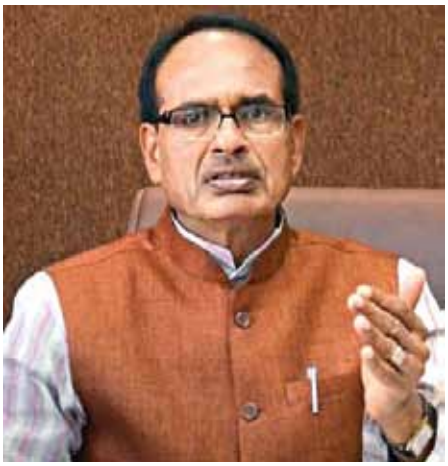

निःशुल्क होगा। अतिरिक्त व्यवस्था करनी होगी तो वह भी की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि घायलों के उपचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

घायलों के परिजन से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की भेंट

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हमीदिया अस्पताल में मौजूद घायल व्यक्तियों के परिजन से भी भेंट की और उन्हें आश्वस्त किया कि घटना में घायल सभी का बेहतर से बेहतर इलाज हो रहा है। दोषियों के विरूद्ध भी कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। भयग्रस्त होने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय प्रशासन और शासन आपके साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जीएमसी भोपाल के डीन डॉ. अरविंद राय, आर्थोपेडिक विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुनील टंडन और अन्य चिकित्सा-विशेषज्ञों से घायलों के उपचार के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने श्री कमलेश कुशवाह, श्री हरि सिंह, श्री रामजी भाई, श्री आनंद साहू, श्री राजकुमार, श्री रविन्द्र, श्री महेश, श्री नरेन्द्र, श्री हल्के राम, श्री रमेश और अन्य घायलों से उनके बेड तक जाकर कुशल-क्षेम पूछी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रायसेन जिला प्रशासन को भी प्रभावित परिवारों की आवश्यक सहायता के निर्देश दिए हैं।

जम्मू पहुंचकर एमपी के गृह मंत्री ने देखी द कश्मीर फाइल्स...

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने जम्मू में कश्मीरियों के साथ द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखी। इसके साथ ही गृह मंत्री में युवाओं से अपील करते हुए कहा कि इस फिल्म को जरूर देखें। द कश्मीर फाइल्स कों इतिहास जानने के लिए एक बार देखें और अपना भविष्य जानने के लिए बार-बार देखें। दरअसल आज उन्होंने द कश्मीर फाइल्स फिल्म जम्मू के वेव मॉल में जम्मू कश्मीर के भाइयों बहनों के साथ देखी। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कश्मीरी पंडितो के संघर्ष की सच्ची कहानी देखकर मन पीड़ा से व्यथित हो गया। कश्मीरी पंडितों का इतिहास जानने के लिए इस फिल्म को एक बार अवश्य देखें और अपने भविष्य के लिए इस पिक्चर को बार-बार देखें। उन्होंने आगे कहा कि आप देखिये किस तरह कम्युनिस्टों ने कश्मीरी पंडितों के इतिहास को बर्बरता को तोड़ मोड़ के देश के सामने रखा था। द कश्मीर फाइल्स पिक्चर ने सारी परतों का हटाने का काम किया है। इस नरसंहार को देश की जनता के सामने लाने के लिए फिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री उनकी टीम को धन्यवाद देता हूं। मैं आग्रह करता हूं देश की जनता से, युवाओं से की इस फिल्म को जरूर देखें।

3 अधिकारियों को सौंपे दायित्व...

राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के 3 अधिकारियों को अतिरिक्त दायित्व सौंपे गये हैं। श्री संजय गुप्ता आयुक्त-सह पंजीयक सहकारी संस्थाएँ तथा प्रबंध संचालक राज्य तिलहन उत्पादक संघ को अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। श्री भास्कर लक्षकार आयुक्त-सह-संचालक संस्थागत वित्त एवं उप सचिव वित्त विभाग को अपने वर्तमान कर्त्तव्यों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री शशांक मिश्रा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी तथा पदेन अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग एवं पदेन अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (अतिरिक्त प्रभार) को प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य परिसम्पत्ति प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड के पद पर पदस्थ करते हुए पदेन अपर सचिव लोक निर्माण विभाग एवं पदेन अपर सचिव लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग घोषित किया गया है।

ग्वालियर शहर के विकास कार्यों की हुई समीक्षा

ग्वालियर शहर के सम्पूर्ण सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाएं- केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

ग्वालियर शहर के सम्पूर्ण सड़क नेटवर्क की समीक्षा कर हर सड़क मार्ग की ग्रेडिंग करें। साथ ही सड़कों के निर्माण व रख-रखाव का पुख्ता प्लान बनाएँ, जिससे शहर में नई सड़कें बन सकें और पुरानी सड़कों की नियमित रूप से मरम्मत होती रहे। इस आशय के निर्देश केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शहर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए।

शनिवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल व श्री रामबरन सिंह गुर्जर तथा श्री देवेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, परिवहन आयुक्त श्री मुकेश जैन, संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनिल शर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने जोर देकर कहा कि निर्माणाधीन सड़कों के पूर्ण होने की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करें। इसी तरह सड़कों की मरम्मत भी समयबद्ध कार्यक्रम के तहत की जाए, इसमें किसी तरह की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने ग्वालियर शहर की सभी सड़कों की स्ट्रीट लाईट हर हाल में 15 मई तक दुरूस्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर शहर के अंतर्गत 25 सड़कों के निर्माण के लिये लगभग 86 करोड़ रूपए की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इनकी टेंडर प्रक्रिया प्रचलन में है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा शहर की शेष सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिये सरकार से धनराशि प्राप्त करने के लिये भोपाल स्तर पर प्रयत्न किए जायेंगे। शहर की कुल 124 किलोमीटर लम्बाई की 84 सड़कों के निर्माण व मरम्मत के लिये लगभग 171 करोड़ रूपए की कार्ययोजना बनाई गई है।

वैज्ञानिक तरीके से बनाएँ शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हर बाजार व सड़कों का हर पहलू से अध्ययन कर वैज्ञानिक तरीके से ग्वालियर शहर का यातायात प्लान (पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम) तैयार करने के निर्देश भी बैठक में दिए। उन्होंने कहा हर वार्ड व बाजार की मांग के अनुसार यह तय करें कि किस मार्ग पर टेम्पो, ऑटो व ई-रिक्शा चलेंगे और किस मार्ग पर सिटी बस । उन्होंने कहा टेम्पो व ऑटो रिक्शा को छोटे मार्ग और बसों के लिये लम्बे रूट निर्धारित करें। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि ऑटो व टेम्पो के व्यवसाय पर विपरीत प्रभाव न पड़े। केन्द्रीय मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि महानगरों की तर्ज पर सड़क मार्ग व बाजारों के हिसाब से ऑटो, टेम्पो व सिटी बसों का रंग (कलर कोडिंग) भी निर्धारित करें, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के वाहन निर्धारित रूट पर ही चलें। श्री सिंधिया ने कहा कि परिवहन आयुक्त, जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस आपसी समन्वय बनाकर एक माह के भीतर शहर के लिये पब्लिक ट्रांसपोर्ट संचालन का प्लान तैयार करें। सड़क आवागमन में बाधा बन रहे शहर के विभिन्न मार्गों पर स्थित 40 विद्युत पोल एक माह के भीतर शिफ्ट कराने के निर्देश भी केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में दिए। विद्युत वितरण कंपनी को इन पोलों की शिफ्टिंग के लिये नगर निगम द्वारा धनराशि उपलब्ध करा दी गई है। श्री सिंधिया ने पुराने हाईकोर्ट के समीप स्थित मल्टीलेवल पार्किंग को भी सुचारू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सड़क पर वाहन खड़े करने वाले लोगों से जुर्माना वसूला जाए। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने सभी मल्टी लेवल पार्किंग में 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने की सलाह दी, जिससे वाहन पार्क करने वालों को कोई दिक्कत न हो।

एक माह में तैयार करें सभी तरह के कचरा प्रबंधन का प्लान

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर शहर का टोटल वेस्ट मैनेजमेंट प्लान (सभी तरह के कचरे का प्रबंधन) तैयार करने पर बैठक में विशेष बल दिया। उन्होंने कहा घरेलू कचरा, गोबर तथा बाजारों व मंडियों से निकलने वाला कचरा सहित अन्य प्रकार के कचरे के प्रबंधन के लिये विशेषज्ञों की मदद लेकर एक माह के भीतर संयुक्त प्लान तैयार करने के निर्देश भी नगर निगम आयुक्त को दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर निर्माण का कचरा फेंकने वालों से कड़ाई से जुर्माना वसूला जाए। कचरा प्रबंधन का प्रोसेस प्लांट चालू होने के संबंध में एक रिपोर्ट भी संबंधित अधिकारियों से मांगी है।

शहर का सम्पूर्ण सीवर सिस्टम एक माह के भीतर चालू हो

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शहर के चारों सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनकर तैयार हो गए हैं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि शहर के सम्पूर्ण सीवर सिस्टम की कमीशनिंग कराएँ और रख-रखाव की जिम्मेदारी तय कर एक माह के भीतर यह सिस्टम शुरू कराएँ। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर द्वारा दिए गए सुझाव पर सहमति जताते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने निर्देश दिए कि निजी टाउनशिप व कॉलोनियों में कॉलोनाइजर के माध्यम से छोटे-छोटे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पुरानी टाउनशिप में भी हाउसिंग सोसायटी की मदद से यह काम कराया जा सकता है।

एलीवेटेड रोड़ के टेंडर लगे, हजार बिस्तर अस्पताल के लिए संसाधन

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बैठक में जानकारी दी शहर में स्वर्णरेखा पर बहुप्रतीक्षित एलीवेटेड रोड़ के निर्माण के लिये टेंडर जारी हो गए हैं। जल्द ही इसका काम भी शुरू होगा। उन्होंने नवनिर्मित हजार बिस्तर अस्पताल के सम्पूर्ण एयर कंडीशनिंग के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि हजार बिस्तार के अस्पताल के लिये मानव संसाधन व उपकरणों का जल्द से जल्द इंतजाम कराने के लिये सरकार स्तर पर पुरजोर प्रयास किए जायेंगे।

चौराहों के सौंदर्यीकरण सहित अन्य विकास कार्यों पर भी हुई चर्चा

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अत्याधुनिक तरीके से चौराहों का विकास और सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रथम चरण में 14 व द्वितीय चरण में 9 चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। श्री सिंधिया ने महाराज बाड़े पर स्थित बाजारों की दुकानों पर एक समान साइनेज लगाने का काम 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बैठक में जानकारी दी कि रेलवे स्टेशन के विकास व सौंदर्यीकरण के लिये मई माह तक टेंडर जारी हो जायेंगे। इसी तरह एयर पोर्ट विस्तार कार्य का भूमिपूजन डेढ़ माह के भीतर हो जायेगा। बैठक में इसके अलावा वेस्टर्न बाइपास, पर्यटन एवं स्मार्ट सिटी के विकास कार्यों की समीक्षा भी की गई।

व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए

मप्र बीज निगम के अध्यक्ष श्री गोयल व कलेक्टर पहुंचे व्यापारियों के बीच

ग्वालियर की नारायण विहार गल्ला मंडी व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के लिये मध्यप्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह शुक्रवार को व्यापारियों के बीच पहुँचे और उनसे चर्चा की। व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में आवश्यक कार्रवाई भी की। इस मौके पर गल्ला व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री रूपेश गोयल, महामंत्री श्री योगेश अग्रवाल, संयुक्त उपाध्यक्ष श्री अवधेश दीक्षित, उपाध्यक्ष श्री बबलू उपाध्याय, कोषाध्यक्ष श्री रिंकू जैन उपस्थित थे।

बैठक में बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंडी प्रशासन के अधिकारियों से कहा है कि भूमि आवंटन को लेकर 2011 में व्यापारियों से हुए अनुबंध का पूरा प्रतिवेदन तैयार कर भेजें, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा सके।

इसके साथ ही नारायण विहार मंडी के लिए मुख्य मार्ग तक सड़क बनाने के लिये आवश्यक कार्रवाई के निर्देश एसडीएम एवं तहसीलदार को दिए। सड़क मार्ग का चिन्हांकन कर मंडी प्रशासन बताए ताकि स्टीमेट स्वीकृति हेतु कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही गल्ला मंडी की क्षतिग्रस्त बाउण्ड्रीवॉल को मंडी प्रशासन शीघ्रता से बनवाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंडी के व्यापारियों को आश्वस्त किया है कि उनकी समस्याओं का तत्परता से निराकरण किया जायेगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारी

मुख्य अभियंता भोपाल नगरीय प्रशासन हंस कुमार जैन ने डबरा नपा का किया निरीक्षण

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियों निरीक्षण के लिए मुख्य अभियंता भोपाल नगरीय प्रशासन हंस कुमार जैन ने नगरपालिका डबरा के अंतर्गत नगरपालिका क्षेत्र का किया निरीक्षण। इन्होंने नगर पालिका क्षेत्र के मुख्य वार्डो मैं साफ सफाई,नालियां का रख रखाव, नगर की मुख्य सड़कों का भी जायजा किया इसी क्रम मे वार्ड क्रमाक 28 स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया ट्रंचिंग ग्राउण्ड के अंदर वनी विभिन्न यूनिट, एफ पी एच टी, पी, एम आर एफ, कम्पोस्ट पिट, बेस्ट यूनिट का निरीक्षण किया तथा शहर मे स्थित सार्वजनिक शौचालयो,अस्पताल के पास,तहसील प्रांगण का भी निरीक्षण किया एवं विभिन्न घटकों की छोटी छोटि कमियो को दूर करने को कहा

उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम आने वाली है उनके आने तक पूर्ण तैयारियों ओर उच्चतम माप डंडों का पालन करने के लिए कहा हंस कुमार जैन ने सम्वाद दाता मनोज चतुर्वेदी के अमृत योजना के विलंब से होने के कारण पूछने पर बताया कि आपने सही प्रश्न किया है और कार्य पूर्ण होने की समय सीमा निकल जाने पर भी पूर्ण नही हो पा रही है इस पर हम निगाहे रखे है और जल्दी ही इसे पूर्ण करने की बात कही है । इस टीम मैं ग्वालियर कार्यपालन यन्त्री नगरीय प्रशासन हरनारायण शर्मा भी थे बही डबरा का स्वच्छता सर्वेक्षण मैं 8 वे पायदान पर आने की बधाई देते हुए डबरा के नागरिकों ,cmo महेश पुरोहित, को भी बधाई दी साथ ही मुकेश अरन स्वच्छता प्रभारी, उपयंत्री अवधेश भदोरिया, पीयूष गुप्ता,दुर्गेश टैगोर,भुपेनंद मुद्दल आदि उपस्थित थे। सिंध नदी पर बने फ़िल्टर प्लांट का भी निरीक्षण किया।

स्वच्छता मिशन के तहत सभी नागरिकों के साथ मिलकर चलाया गया जागरूकता अभियान साथ ही ली स्वच्छता के प्रति शपथ ली।

गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा पहुंचे भितरवार, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

गृहमंत्री अपने ग्रह ग्राम जोरा में सत्यनारायण कथा में हुए शामिल हुए। साथ ही गांव में चौपाल लगाकर गांव के लोगों एवं कार्यकर्ताओं की समस्या का समाधान मौके पर ही किया। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मुस्लिम व्यक्ति का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा की कांग्रेस मुसलमानों को डराने और धमकाने का काम करती है। इस दौरान ग्वालियर ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष कौशल शर्मा के साथ-साथ डबरा भितरवार क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

केले के ट्रक में छुपा रखा था एक करोड़ का गांजा

पुलिस ने 3 तस्करों के पास से केले के ट्रक में भरा 888 किग्रा गांजा किया बरामद किया

23 मार्च को रात्रि में सूचना प्राप्त हुई थी जिस पर शिवपुरी लिंक रोड के पास एक ट्रक को पकड़ा जिसमें केले के बीच में अवैध रूप से गांजा छिपकर रखा गया था इस कार्यवाही को काईम ब्रांच व थाना झांसीरोड की संयुक्त टीम ने सम्पन्न किया ।उक्त ट्रक में पुलिस टीम को ट्रक चालक सहित तीन व्यक्ति बैठे दिखे। पुलिस टीम द्वारा ट्रक की तलाशी लेने हेतु ट्रक को अनलोड कराया गया तो ट्रक में 37 प्लास्टिक के बोरे मिले जिन्हे खोलकर देखने पर बोरों में गांजा भरा होना पाया गया, इसकी क़ीमत लगभग एक करोड़ रूपये* की आंकी गई जिससे विधिवत जप्त किया गया।पकड़े गये तीनों आरोपियों से गांजा लाने तथा बैचने के सबंध में की गई प्रारम्भिक पूछताछ में उन्होने बताया कि वह केले के ट्रक में गांजे की बोरियां भरकर हैदराबाद(आध्रप्रदेश) से लाकर आगरा लेकर जा रहे थे और किसी को संदेह न हो इसलिए केलों से भरे ट्रक में गांजे की बोरियों को छिपा दिया। इतनी बड़ी नशीले पदार्थ की खेप पता नहीं कितनो को बरबाद करती।

राज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं की समीक्षा की

पानी अत्यधिक उपयोगी प्रकृति की देन है, इसे व्यर्थ नहीं बहाएं - राज्यपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अधिकारियों की बैठक में कहा कि पानी बहुत ही महत्वपूर्ण प्रकृति की देन है। इसलिए पानी को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाए। क्योंकि आगे चलकर जल का संकट और अधिक बढ़ेगा। श्री पटेल ने आज यहाँ व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार में आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में यह बात कही। बैठक में संभागीय कमिश्नर श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, वन मण्डलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा उपस्थित थे।

बैठक में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों से किए जा रहे विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने संभाग में शुरू किए गए बीट समाधान केन्द्रों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन केन्द्रों पर ग्रामीण स्तर के अधिकारी प्रति मंगलवार को निर्धारित गाँवों में बैठकर ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान आपसी सहमति से कराते हैं। इससे संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़ाई-झगड़ों में कमी आई है। उन्होंने बताया कि अब तक ग्वालियर एवं चंबल संभागों में लगभग ढाई हजार छोटी-छोटी समस्याओं को ग्रामीणों की आपसी सहमति से हल करा दिया गया है। यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले में जलाभिषेक अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छता सर्वेक्षण, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इस अवसर पर कहा कि पेयजल के कार्यों को विशेष प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिले यह सुनिश्चित किया जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने बताया कि जिले के घाटीगाँव विकासखण्ड में पानी लगभग 100 से 150 फीट की गहराई पर मिलता है। विकासखण्ड की 12 ग्राम पंचायतें समस्याग्रस्त हैं। इन पंचायतों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में जल जीवन मिशन के तहत एक लाख 30 हजार नल कनेक्शन देने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसमें से 52 हजार नल कनेक्शन दे चुके हैं, 78 हजार कनेक्शन शेष हैं। जिन पर तीव्र गति से कार्य चल रहा है। राज्यपाल ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों में बिजली एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने बताया कि शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है। पेयजल के संबंध में उन्होंने बताया कि वर्तमान में शहर में पेयजल की आपूर्ति तिघरा जलाशय से हो रही है। आगे 2050 तक की चंबल नदी से पेयजल के लिये परियोजना पर कार्य चल रहा है। शहर में कुल 3 हजार पुराने कुए एवं बावड़ी हैं। इन्हें रीचार्ज करने की भी योजना है। राज्यपाल श्री पटेल ने आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिए कि स्वच्छता है तो सब कुछ है। इसलिये लोगों को स्वच्छता के प्रति अधिक जागरूक किया जाए, ताकि ग्वालियर का नाम भी स्वच्छ शहरों की श्रेणी में आ सके।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने जिले की कानून व्यवस्था की विस्तार से जानकारी दी। इसी प्रकार वन मण्डलाधिकारी ने वन विभाग की योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि शहर के प्रत्येक वार्ड में संजीवनी क्लीनिक खोलने का कार्य जारी है। राज्यपाल श्री पटेल ने उन्हें निर्देश दिए कि छोटे बच्चों को घर-घर जाकर बीमारियों के टीके लगाए जाएं और जो बच्चे आंगनबाड़ी में आने लगे हों, उन्हें आंगनबाड़ी में टीके लगाए जाएं। इसी प्रकार गर्भवती माताओं को भी टीके लगाए जाएं।

कोरोना वॉरियर्स ने जमकर खेली होली

एम्स, जीएमसी के जूनियर डॉक्टरों ने दो साल बाद स्ट्रेस फ्री होकर उडेला रंग गुलाल

बीते दो सालों से कोरोना की जानलेवा लहरों के बीच जान की बाजी लगाकर फर्ज निभा रहे वॉरियर्स ने जमकर होली खेली। राजधानी भोपाल के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर सहित पं.खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कॉलेज, शासकीय होम्योपैथी और यूनानी कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों ने जमकर होली खेली।

एम्स भोपाल में रेजिडेंट डॉक्टर्स ने पीजी हॉस्टल कैम्पस में दो घंटे तक जमकर एक – दूसरे पर रंग गुलाल बरसाया। रेजिडेंट डॉक्टर्स का कहना था कि दो सालों से लगातार ड्यूटी के कारण किसी भी त्योहार पर मेल जोल नहीं हो पाया। इस बार कोविड से जैसे ही राहत मिली और सरकार ने बंदिशें हटाई तो होली का जश्न मनाने का मौका मिला। सारे दोस्त एक दूसरे से लंबे समय बाद मिले। इधर एम्स के फैकल्टी मेंबर्स ने भी अपने रेजिडेंशियल कैम्पस में परिवारों के साथ होली पर रंग--गुलाल लगाया। गांधी मेडिकल कॉलेज में कोरोना काल के बाद पहली बार जूनियर डॉक्टर तनाव मुक्त होकर झूमते दिखे। शुक्रवार सुबह से ही बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल्स में अलग--अलग टोलियों ने जमकर रंग बरसाया। जीएमसी के जूनियर डॉक्टरों की मानें तो काम का तनाव, परिवार से दूरी और त्योहारों को सीमित दायरे में मनाने की औपचारिकता करने की आदत हो गई थी। लेकिन इस बार होली जमकर खेली है। जूडा यूजी विंग के प्रेसिडेंट अनिकेत पामेचा ने बताया कि इस बार होली पर बहुत आनंद आया। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि अब कोरोना जैसी महामारी दोबारा न आए। इधर मेडिकल टीचर्स ने फैकल्टी के साथ होली सेलिब्रेट की । भोपाल के पं.खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कॉलेज में प्राचार्य डॉ.उमेश शुक्ला की मौजूदगी में होलिका दहन किया गया। इसके बाद एक दूसरे को रंग--गुलाल लगाकर होली का जश्न शुरू हुआ। डीजे की धुन पर आयुर्वेदिक चिकित्सा छात्रों ने एक – दूसरे को रंग लगाकर जमकर डांस किया।

60 लाख की ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

राज्य साइबर सेल ने दो जालसाज नाइजीरियन को गिरफ्तार किया है। दिल्ली में बैठकर दोनों नाइजीरियन ने मंडीदीप के रहने वाले मेडिकल एक्यूपमेंट व्यापारी को यूके में जॉब दिलाने का झांसा देकर करीब 60 लाख 90 हजार रुपए ठग चुके हैं। जालसाजों ने उन्हें मंहगा गिफ्ट भेजने का झांसा देकर कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर भी ठगी की है। जांच एजेंसी ने इनके पास से 19 मोबाइल, 21 सिम कार्ड, 1 इंटरनेशनल एटीएम कार्ड समेत अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने इन्हें दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दोनों शातिर जालसाज हैं।

एडीजी योगेश देशमुख ने बताया कि मंडीदीप निवासी मनीष पटेल मेडिकल एक्यूपमेंट का कारोबार करते हैं। लॉकडाउन के दौरान उनका कारोबार बंद हो गया। बेरोजगार होने की वजह से उन्होंने विदेशी कंपनियों में जॉब के लिए संपर्क किया। इसी दौरान उनके वाट्सऐप पर यूके से कॉल आया। कॉल करने वाली लड़की ने यूके में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। 4-5 बार उनके ऑनलाइन इंटव्यू भी लिए।

इसी बीच आरोपियों ने उन्हें 65000 पाउंड कैश, एक आईफोन, एक लैपटॉप, एक घड़ी, एक ज्वेलरी, एक जोड़ी जूते ओर टी शर्ट भेजने के लालच दिया। बाद में कोरियर चार्ज, कैश चार्ज,, रजिस्ट्री चार्ज, विदेश मुद्रा चार्ज के नाम पर 60 लाख 90 हजार रुपए ठग लिए। जब उन्हें गिफ्ट नहीं मिला तो ठगी का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत ही साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि 18 बैंक खातों में पैसा गया है। सभी खाते दिल्ली से खुलवाए गए हैं। पुलिस ने दोनों जालसाज नाइजीरियन को दिल्ली जाकर पकड़ा।

पुलिस ने द्वारिका दिल्ली में रह रहे जुवेकी प्रोमिस व मेहरोली दिल्ली से गोडविन फेवर को गिरफ्तार किया है। दोनों कम्प्यूटर के अच्छे जानकार हैं। साइबर सेल को आशंका है कि इससे पहले भी वे ठगी कर चुके होंगे। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने इनके पास से 19 मोबाइल, 21 सिम कार्ड, 1 इंटरनेशनल एटीएम कार्ड समेत अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद किए हैं।

झाबुआ के विकास में कोई कमी नहीं आएगी- मुख्यमंत्री चौहान

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंह चौहान आज थांदला में भगोरिया उत्सव में शामिल हुए आपके साथ श्रीमती साधनासिंह चौहान भी इस अवसर पर उपस्थित थी। माननीय मुख्यमंत्री जी का हैलीपेड पर भव्य अभिनंदन किया जिसमें माननीय सांसद श्री गुमानसिंह जी डामोर, माननीय विधायक जोबट श्रीमती सुलोचना रावत, आयुक्त इंदौर संभाग डॉ. पवन कुमार शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश गुप्ता, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री लक्ष्मणसिंह नायक, प्रदेश भाजपा मंत्री श्रीमती संगीता विश्वास सोनी, पूर्व विधायक श्री कलसिंह भाबर, पूर्व विधायक शांतिलाल बिलवाल, नगरपालिका अध्यक्ष श्री बंटी डामोर, मण्डल अध्यक्ष एवं पार्षद श्री समर्थ उपाध्याय, भील सेवा संघ के अध्यक्ष श्री अजय डामोर, पूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री दौलत भावसार, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य श्री ओम प्रकाश शर्मा, भाजपा जिला महामंत्री श्री सोमसिंह सोलंकी एवं श्री गोरव खण्डेलवाल, भाजपा पदाधिकारी श्री विश्वास सोनी, सांसद प्रतिनिधि श्री दिलीप कटारा की मौजूदगी में हुआ।

माननीय मुख्यमंत्री जी भगोरिया उत्सव के नृत्य में शामिल होकर भगोरिया का आनंद लिया। ग्रामीणों के साथ नृत्य करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी का सभी ने अभिनंदन किया। थांदला बाजार में कई स्वागत द्वार बनाए गए थे। जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी का पुष्पहार से अभिनंदन किया गया। इस दौरान लगभग 50 हजार लोग माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ भगोरिया नृत्य करते हुए चल रहे थे। पुरा बाजार हार फुलों से पट गया था। माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

भगोरिया उत्सव के लिए बनाए गए मंच पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सरकार आपकी जिंदगी में खुशिया लाने के लिए ही है और इसलिए थांदला आगे बढे, झाबुआ आगे बढे ताकि जनता की सारी कठिनाईया और कष्ट दूर हो जाए। इसमे कोई कसर हम नहीं छोडेंगे। मेरी बहनों झाबुआ जिले के हर गांव में हर घर में पाईप लाईन बिछाकर घर में टोटी वाला नल लगाकर मेरी बहनों को शुद्ध पानी देने के लिए 750 करोड रूपए जल जीवन मिशन के अंतर्गत हमने मंजूर किए है ताकि हमारी बहनों को पानी नहीं भरना पडे। थांदला में सीएम राईज स्कूल भी खोल रहे हैं। नर्मदा मय्या का पानी अलिराजपुर में आ जाए, झाबुआ जिले में भी लाने की कोशिश हम कर रहे हैं। आज आप सभी को भगोरिया के साथ होली की भी शुभकामनाएं और बधाई। आप सभी खुब खुशी और उत्साह से होली मनाओं आप हमेशा खुश रहे, प्रसन्न रहे, आनंदित रहे, नाचे गाए और अपने परिवार को आगे बढाए मेरी शुभकामनाएं आपके साथ है।

खेल सामग्री की खरीदी में अनियमितता पर 2 बीआरसी 6 जन शिक्षक निलंबित

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के पत्र क्रमांक 716 दिनांक 21 जनवरी , 2022 एवं पत्र क्रमांक 271 दिनांक 27 जनवरी, 2022 के अनुसार जिले में संचालित प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में खेल सामग्री क्रय करने हेतु एस एम सी के खातों में माध्यमिक शाला हेतु राशि रूपए 10,000/ एवं प्राथमिक शाला एवं रुपए 5,000 की स्वीकृति दी गई थी। खेल सामग्री के क्रय हेतु विद्यालय की शाला प्रबंधन समिति रेट कांट्रेक्ट के आधार पर भंडार क्रय नियमों का पालन करते हुए स्थानीय परिस्थितियों में उपयुक्त खेल उपकरणों को क्रय किए जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए थे। उक्त जारी निर्देशों का पालन खंड स्त्रोत समन्वयक एवं जन शिक्षकों के द्वारा नहीं किया गया। खंड स्त्रोत समन्वयको द्वारा खेल एवं शारीरिक शिक्षा स्पोर्ट्स ग्रांट व्यय हेतु प्रगति प्रतिवेदन जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र झाबुआ को निम्नानुसार विकास खंडो की प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला में खेल सामग्री प्रदान की गईः-विकासखंड झाबुआ प्राथमिक शाला 36 माध्यमिक शाला 3 , विकासखंड मेघनगर प्राथमिक शाला 65 माध्यमिक शाला 16, विकास खंड थांदला प्राथमिक शाला 235 माध्यमिक शाला 44 , विकासखंड पेटलावद प्राथमिक शाला 130 माध्यमिक शाला 28, मे विभिन्न माध्यमों से अनियमितता के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई।

राष्ट्र और समाज के निर्माण में कलाओं का महत्वपूर्ण योगदान- राज्यपाल श्री पटेल

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षांत समारोह आयोजित

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि जीवन को लयबद्ध और सुसंस्कृत बनाने के लिये कलाएँ बहुत जरूरी हैं। राष्ट्र और समाज के निर्माण में कलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खुशी की बात है राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय संगीत व कलाओं की जीवंत परंपराओं को बखूबी ढंग से आगे बढ़ा रहा है। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के पंचम दीक्षांत समारोह में अपने अध्यक्षीय उदबोधन में राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय बाल्यकाल की शिक्षा दीक्षा में कलाओं को शामिल करने की पहल कर आंगनबाड़ी और प्राथमिक स्कूलों का मार्गदर्शन करे। दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि संगीत एवं कलाओं को बढ़ावा देने के लिये राजाश्रय जरूरी है। केन्द्र व राज्य सरकार यह काम पूरी शिद्दत के साथ कर रहीं हैं। मंगलवार को यहाँ जीवाजी विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल अटल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुए दीक्षांत समारोह में प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुईं। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साहित्य कुमार नाहर, कुलसचिव श्री दिनेश पाठक एवं विश्वविद्यालय की साधारण परिषद, कार्य परिषद व विद्या परिषद के पदाधिकारी मंचासीन थे। दीक्षात समारोह में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के शिक्षा सत्र 2018-19 एवं 2019-20 के 49 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 15 शोध छात्र-छात्राओं को शोध उपाधियाँ प्रदान की गईं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने स्वर्ण पदक और शोध उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि आप सबने आज जो वचन लिया है, उसे जीवन भर निभाएं। साथ ही भविष्य में प्राप्त होने वाली उपलब्धियों के लिये अपने पालकों और गुरूजनों के प्रति सदैव आभारी रहें। अध्यक्षीय उदबोधन में राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि संगीत सम्राट तानसेन, बैजू बाबरा जैसे महान संगीतज्ञों की साधना स्थली, राजा मानसिंह तोमर जैसे संगीत और कला के संरक्षक और ऋषि गालव की पवित्र भूमि ग्वालियर देश ही नहीं पूरी दुनिया में विशिष्ट स्थान रखती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्वालियर को विश्व स्तर पर और ऊँचाईयां प्रदान करने में उनकी ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने यह भी कहा कि हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों वाला देश है। जिसकी हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत विश्व में एक अलग पहचान बनाती है। हमें गर्व है हमारा देश कलाओं की विविधता का एक अद्भुत स्वरूप प्रस्तुत करता है। भारतीय कला के विभिन्न रूप जीवन के सभी पक्षों अर्थात आध्यात्मिक और भौतिक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि खुशी की बात है कि संगीत की नगरी ग्वालियर को गत 19 अगस्त 2008 को एक साथ राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय और राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय की सौगात मिली थी। संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की समृद्धशाली संगीत परंपरा को बखूबी ढ़ंग से आगे बढ़ाने में योगदान दे रहा है। श्री तोमर ने राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में सहयोग देने का आग्रह इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से किया। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनायें देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश की पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने स्वर्ण पदक व उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि आप सब भारतीय संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं। साथ ही अतुल्स संस्कृति के संवाहक भी हैं। इसलिए भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अपने जीवन में उतारकर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को और ऊँचाईयां प्रदान करें। सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि आप सब ने जो शपथ ली है, उसे जीवन भर याद रखें और मानवता का संताप हरते हुए अपनी कला को चरमोत्कर्ष तक पहुँचाएं। उन्होंने इस अवसर पर आह्वान किया कि आजादी के अमृत महोत्सव की बेला में आप सब अपने घर में बलिदानियों के चित्र अवश्य लगाएँ, जिससे सभी को राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा मिले। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साहित्य कुमार नाहर ने

कलाओं को बढ़ावा देने के लिये राजाश्रय जरूरी- केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर

स्वागत उदबोधन एवं विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही उनके द्वारा दीक्षोपदेश भी दिया गया। श्री नाहर ने बताया कि विश्वविद्यालय से वर्तमान में कला, संगीत व नृत्य इत्यादि कलाओं के 123 महाविद्यालय संबद्ध हैं, जिनमें 22 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

विश्वविद्यालय की स्मारिका का किया विमोचन

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल, केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं प्रदेश की पर्यटन व संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य अतिथियों ने दीक्षांत समारोह में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन भी किया।

शोभा यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह के आरंभ में भव्य शोभा यात्रा निकली, जिसमें राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल, केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं प्रदेश की पर्यटन व संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक व आचार्य, विद्यार्थीगण शामिल हुए। आरंभ में अतिथियों ने माँ सरस्वती एवं राजा मानसिंह तोमर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। समारोह का शुभारंभ एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने एक करोड़ दस लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड-16 में विकास कार्यों का भूमि पूजन करते हुए कहा कि आज ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में विकास की जो अविरल धारा बह रही है, वह सब आपके स्नेह व आशीर्वाद की वजह से संभव हो पा रहा है। आमजन को स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ सफाई व पेयजल आदि मूलभूत सुविधाओं का लाभ दिलाना ही मेरा उद्धेश्य रहा है। उन्होंने कहा कि अपने शहर को साफ व स्वच्छ बनाने के लिये सभी की सहभागिता भी जरूरी है। इसलिये कचरा रोड पर न फैंके तथा घर से निकलने वाले कचरे को कचरा वाहन में ही डालें। हमें अपनी विधानसभा को प्रदेश की आदर्श विधानसभा बनाना है।

वार्ड-16 में असिस्टेंड लाइन नं. 1 में डामरीकरण रोड का निर्माण कार्य लागत 15.02 लाख रूपये, चंदनपुरा में जेसीमिल गेट से जगन्नाथ सिकरवार के मकान तक नाला निर्माण कार्य लागत 49.51 लाख, ओल्ड रेशम मील में सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 17.61 लाख रूपये, न्यू कॉलोनी नं. 1 में वाचनालय का निर्माण कार्य लागत 8.89 लाख एवं नेहरू नगर में 18.90 लाख रूपये की लागत से डामरीकरण निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। सड़क व नाला निर्माण कार्य से जल्द ही क्षेत्रवासियों को आवागमन के लिए बेहतर एवं सुगम सुविधाएं मिल सकेगीं।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि 100 बैड का सिविल अस्पताल बनकर तैयार है। यहां पर अभी प्रतिदिन लगभग 800 मरीज दिखाने आ रहे हैं। सुविधाओं के मामले में सिविल अस्पताल प्रदेश के टॉप 5 में पहुंच गया है। बिरला नगर प्रसूतिगृह का नया भवन निर्माणाधीन है। जिसमें बच्चों का एसएनसीयू बनाया जाएगा जिससे क्षेत्र के बच्चों को इसका लाभ मिल सकेगा। उपनगर में पहले से तीन संजीवनी क्लीनिक संचालित हैं। जिनका लाभ प्रतिदिन लगभग 400 से 500 मरीजों को मिल रहा है। इसके साथ भी सात नई संजीवनी क्लीनिक और खोली जा रही हैं, जहां आमजन को निशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। साथ ही बहोडापुर पर 30 बेडेड अस्पताल बनने जा रहा है।

साथ ही कहा कि गरीब का बेटा-बेटी भी अच्छे स्कूल में निःशुल्क पढ़ सकें, इसके लिये उपनगर ग्वालियर में पटेल विद्यालय व कन्या विद्यालय किलागेट सीएम राइज स्कूल बनने जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षा नगर में स्मार्ट स्कूल बनाया जा रहा हैं। जिसमे क्षेत्र के नौनिहालों को प्राइवेट स्कूल से वेहतर सुविधायें व शिक्षा दी जाएगी। क्षेत्र में पार्कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। आंगे जहां भी पार्क हैं उनके विकास कार्यों का भूमि पूजन शीघ्र किया जाएगा। मनोरंजनायल में बने पार्क के बगल में 500 सीट का ऑडिटोरियम बनने जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम विकास की ओर अग्रसर हैं। क्षेत्र में सभी नालों को पाटने का कार्य किया जा रहा है तथा रोड़ बनाने का कार्य गतिशील है। क्षेत्र में जहां भी जायगें विकास कार्य होते नजर आयेगें। उन्होंने कहा कि ट्रिपलआईटीएम कॉलेज के सामने अंतर्राजीय बस अड्डा व खेल मैदान बनने जा रहा है। उन्होंने का कि युवाओं को रोजगार मिले इसके लिये क्षेत्र में नये उद्योग लगाने के लिये उद्योगपतियों से चर्चा कर रहे हैं।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री बृजमोहन शर्मा, श्री दारासिंह सेंगर, श्री संतोष भारती, श्री सुरेन्द्र चौहान, शिव प्रताप सेंगर, श्री विनोद कुमार डालमिया, श्री राजेन्द्र रेनिया सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्वालियर जिले के 278 हितग्राहियों को कराया गया गृह प्रवेश

हर आवासहीन को आवास उपलब्ध करा रही है सरकार- मंत्री सुश्री उषा ठाकुर

बनवारीलाल को सौंपी घर की चाबी : बाल भवन में आयोजित समारोह में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने बनवारी लाल पुत्र मटरेलाल ग्राम पंचायत टेकनपुर जनपद पंचायत डबरा को नए आवास की चाबी सौंपी। बनवारी लाल ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश के 5 लाख 21 हजार हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में मंगलवार को गृह प्रवेश कराया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली हितग्राहियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान छतरपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम से शामिल हुए। ग्वालियर जिले में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर निगम के बाल भवन सभागार में आयोजित हुआ। जिले के 278 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया।

बाल भवन में आयोजित समारोह में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, श्री कप्तान सिंह सहसारी सहित जनप्रतिनिधि और संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश की पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपने घर में गृह प्रवेश करने वाले सभी हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गरीब का अपना पक्का मकान हो। इस संकल्प की पूर्ति के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में वर्ष 2024 तक हर व्यक्ति को पक्का आवास उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश में अब तक इस योजना में 24 लाख 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण कराए जा चुके हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ गाँव, गरीब और किसानों की खुशहाली के लिये कार्य कर रहे हैं। जनकल्याण की अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा रहा है। सामाजिक समरसता के साथ प्रदेश में विकास के कार्यों को किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश आजादी का 75वाँ अमृत महोत्सव मना रहा है। हमारे देश को आजादी दिलाने वाले वीर क्रांतिकारियों के बलिदान को भी हमें नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने सभी हितग्राहियों से आह्वान किया कि वे अपने नए भवन में प्रवेश करने के बाद देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीरों के छायाचित्र अवश्य अपने घर पर लगाएं, ताकि युवा पीढ़ी भी उनसे प्रेरणा ले सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव ने भी आवास पाने वाले सभी हितग्राहियों को शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान के द्वारा आवासहीनों को आवास उपलब्ध कराने का जो कार्य किया जा रहा है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने स्वागत भाषण दिया और ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत किए गए कार्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत जिले को जो लक्ष्य प्राप्त हुआ था, उसका कार्य शतप्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। आगामी दिनों में योजना के तहत और भी आवास स्वीकृत होंगे, जिनका कार्य तेजी के साथ कराया जायेगा।

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने दिए निर्देश

कार्रवाई ऐसी हो जिससे माफियाओं में खौफ पैदा हो और समाज में सकारात्मक संदेश जाए...

एंटी माफिया अभियान के तहत ऐसी कार्रवाई करें, जिससे माफियाओं में खौफ पैदा हो और समाज में सकारात्मक संदेश जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा बड़े-बड़े भू-माफियाओं, मिलावटखोरों, शराब माफिया, चिटफंडियों, दूसरे की सम्पत्तियों पर जबरन कब्जा करने वालों, गंभीर अपराधों में लिप्त असमाजिक तत्व एवं खनिज माफिया इत्यादि की अवैध सम्पत्तियों को जब्त कर कठोर कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने बड़े-बड़े माफियाओं की सूची भी सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों से मांगी है।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई से कानून व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ अपराध पर भी नियंत्रण होता है। इसलिए एंटी माफिया अभियान को पूरी गंभीरता के साथ अंजाम दिया जाए।

सीएम हैल्पलाइन के निराकरण की धीमी प्रगति पर कलेक्टर श्री सिंह ने नाराजगी जताई। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में विशेष तौर पर सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के लिये शिविर लगाएं। इन शिविरों में संबंधित शिकायतकर्ताओं को बुलाकर उनकी मौजूदगी में शिकायतों का निराकरण करें।

स्कूली बच्चों के कोविड टीकाकरण में तेजी लाने पर

कलेक्टर श्री सिंह ने विशेष बल दिया। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी व डीपीसी को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने वनाधिकार पट्टे देने के लिये अनावश्यक रूप से मार्गदर्शन मांगने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ऐसा करने वाले पटवारियों व तहसीलदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

तीस मार्च को प्रस्तावित रोजगार मेला और हर घर जल योजना के शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों की भी बैठक में समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से अधिकाधिक जरूरतमंदों को लाभान्वित कराया जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने कहा 29 मार्च को सम्पूर्ण प्रदेश के साथ-साथ ग्वालियर जिले में भी प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया जायेगा। जिले के विभिन्न ग्रामों में निवासरत 278 हितग्राही इस दिन अपने पक्के घरों में पहुँचेंगे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री एच बी शर्मा, जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

लोक सेवा केन्द्रों को आदर्श बनाएँ

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी एसडीएम एवं लोक सेवा प्रबंधक को निर्देश दिए कि जिले में संचालित सभी लोक सेवा गारंटी केन्द्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर कर इन केन्द्रों को आदर्श रूप दें। उन्होंने कहा लोक सेवा केन्द्र में सेवाओं के लिये आने वाली आम जनता के लिए पेयजल, बैठने एवं शौचालय इत्यादि की बेहतर व्यवस्थायें की जाएं। ज्ञात हो जिले में कुल 8 लोक सेवा गारंटी केन्द्र संचालित हैं।

नगर निगम एवं जनता की सहभागिता का अनुपम उदाहरण है यह गौशाला : मंत्री

प्रदेश सरकार की पर्यटन संस्कृति एवं आध्यात्मिक मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने आज ग्वालियर प्रवास के दौरान नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित की जा रही लाल टिपारा आदर्श गौशाला का अवलोकन किया तथा गौशाला की व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह गौशाला अद्भुत और अद्वितीय है सभी बड़े शहरों में इसी प्रकार की गौशालाओं के संचालन की आवश्यकता है।

नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित गौशाला का भ्रमण आज प्रदेश सरकार की पर्यटन संस्कृति एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने किया । इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं गौशाला का प्रबंधन देख रहे श्री कृष्णायन गौशाला के महंत श्री ऋषभआनंद जी महाराज उपस्थित रहे।

गौशाला की विभिन्न व्यवस्थाओं को देखकर पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि इतनी बड़ी और व्यवस्थित गौशाला का संचालन करना बहुत ही सराहनीय कार्य है अन्य बड़े शहरों में भी इसी प्रकार से गौशालाओं का संचालन हो, इस पर सरकार विचार कर रही है।

उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति की रीढ़ है इसकी सेवा से भाग्य एवं भविष्य बदलते हैं। सौभाग्यशाली हैं वह भाई- बहन जो गौ सेवा में संलगन है ।

नगर निगम एवं जनता की सहभागिता का अनुपम उदाहरण है यह गौशाला इसे श्रेष्ठ उदाहरण मानते हुए कार्य करना होगा। गौशाला को पर्यटन से जोड़ा जाएगा। गौशाला के विकास के लिए हर संभव कार्य किया जाएगा।

गाय के प्रति समाज के सभी वर्गों को सकारात्मक एवं सहयोगी होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो गाय की सेवा करता है, वह सच्चा राष्ट्रभक्त है। भ्रमण के दौरान पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि इंदौर में भी इसी प्रकार से बृहद गौशाला का संचालन नगर निगम इंदौर द्वारा किया जाए इसको लेकर चर्चा की जाएगी।

भ्रमण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री कन्याल ने पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर को गौशाला में चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्प ओं के बारे में जानकारी दी तथा उन्होंने बताया कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गौशाला में सीएनजी प्लांट तैयार किया जा रहा है जिससे जहां एक और गौशाला आत्मनिर्भर बनेगी वही नगर निगम के वाहन डीजल के बजाय सीएनजी से चलेंगे जिससे प्रदूषण भी कम होगा।

इसके साथ ही निगमायुक्त श्री कन्याल ने बताया कि गौशाला में गौ माता की सेवा के लिए 20 चिकित्सकों की टीम एवं दो एंबुलेंस निरंतर उनकी सेवा में लगी रहती हैं। इसके साथ ही अन्य प्रकल्पों के बारे में भी जानकारी दी।

अभी से तैयारी करें, बरसात में बिजली के लिये कोयले की कमी न हो

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पावर जनरेटिंग कम्पनी के कार्यों की समीक्षा करने में दिये निर्देश

बरसात में बिजली के उत्पादन के लिये कोयले की कमी नहीं होना चाहिये। अभी से पुख्ता तैयारी करें। आवश्यकतानुसार कोयले का भण्डारण कर लें। पैसे की कोई कमी नहीं है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि, की जा रही तैयारियों की हर 15 दिन में जानकारी दें।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास करें। बिजली उत्पादन संयंत्रों में ट्रिपिंग कम से कम हो। संयंत्रों की हीट रेट कम रखने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ताप विद्युत गृहों की राख के शत-प्रतिशत उपयोग की कार्य-योजना बनायें।

वार्षिक रख-रखाव हो गुणवत्तापूर्ण

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ताप विद्युत एवं जल विद्युत इकाइयों का वार्षिक रख-रखाव निर्धारित समय पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से करवायें। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। वाणिज्यिक हानि कम करने के प्रयास करें।

900 पदों पर होगी भर्ती

प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे ने बताया कि विद्युत कम्पनियों में रिक्त जूनियर इंजीनियर के लगभग 900 पदों पर कर्मचारी चयन मण्डल के माध्यम से भर्ती करवायी जा रही है। जल्द ही मण्डल द्वारा विज्ञापन जारी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि असिस्टेंट इंजीनियर के पदों पर भर्ती 'गेट' (ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग) के स्कोर के आधार पर की जायेगी। इसके लिये साक्षात्कार का प्रावधान नहीं होगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने असिस्टेंट इंजीनियर के रिक्त पदों को समय-सीमा में भरने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाएँ भी संविदा पर रखने का प्रस्ताव बना सकते हैं। श्री तोमर ने ताप विद्युत गृह सारणी, श्री सिंगाजी खण्डवा और संजय गाँधी बिरसिंहपुर एवं सभी जल विद्युत गृहों की समीक्षा की। जनरेटिंग कम्पनी के एम.डी. श्री मनजीत सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी दी। इस दौरान चीफ इंजीनियर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजेंद्र मेडिकल स्टोर डबरा की ओर से
समस्त डबरा वासियों को होली की

बहुत बहुत
शुभकामनाएं

प्रो. नारायण दास गुप्ता

शहर विकास में जनभागीदारी के लिये आयोजित बैठक में प्रबुद्धजनों ने दी सहमति

शहर विकास में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता जरूरी है- केन्द्रीय मंत्री

सभी के सहयोग से शहर तेजी से विकास के पथ पर बढ़ेगा-सांसद श्री शेजवलकर

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्वालियर के विकास में सरकार के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों की सहभागिता जरूरी है। यह शहर हमारा है और इसके विकास की जवाबदारी भी हमारी है। यह भावना शहर के हर नागरिक में होना चाहिए। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने शनिवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में शहर विकास में जनभागीदारी विषय पर शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से चर्चा करते हुए यह बात कही । शहर विकास में जनभागीदारी के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, मध्यप्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा यादव, संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, संत श्री कृपाल सिंह महाराज, पूर्व विधायक श्री रामबरन सिंह गुर्जर, श्री मदन कुशवाह, श्री मोहन सिंह राठौर सहित शहर के व्यवसायी, चिकित्सक, उद्योगपति, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शहर विकास में जनभागीदारी केवल पैसे के लिये जरूरी नहीं है बल्कि लोगों में अपने शहर के प्रति और विकास के प्रति भावना विकसित हो यह जरूरी है। समाज का हर वर्ग जब शहर के विकास में भागीदार बनेगा तो हमारा शहर तेजी से विकास की ओर बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के प्रमुख चिकित्सकगण, एनजीओ, व्यापारिक संघ, धार्मिक संस्थायें, राजनैतिक संगठन, औद्योगिक संगठन और प्रशासनिक अमला भी अपने-अपने स्तर पर शहर विकास में किस प्रकार भागीदार बन सकता है, उस पर विचार-विमर्श करे और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बैठक में बताया कि केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार ग्वालियर विकास के लिये तेजी से कार्य कर रही है। हमारे शहर में 500 करोड़ रूपए की लागत से नया एयरपोर्ट, 250 करोड़ रूपए की लागत से रेलवे स्टेशन का निर्माण होने जा रहा है। इसके साथ ही वेस्टर्न बाइपास, एक हजार बिस्तर का अस्पताल और एलीवेटेड रोड़ भी बनने जा रही है। इसके साथ ही अनेक विकास कार्यों को शहर में किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने सभी समूहों के लोगों से कहा कि वे अपने-अपने समूह में बैठक करें और विचार विमर्श करने के पश्चात शहर की आंगनबाड़ी, संजीवनी क्लीनिक, चौराहे, पार्क के साथ ही अन्य विकास कार्यों में अपनी सहभागिता निभाते हुए कार्य करें। इन विकास कार्यों में न केवल आर्थिक सहयोग करें बल्कि उसकी देखरेख की जवाबदारी भी उठायें। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि विकास कार्यों में जन सहभागिता के कई प्रयास ग्वालियर में पूर्व में भी किए गए हैं। लेकिन इसके सार्थक परिणाम नहीं मिल पाए हैं। हम सबको ही शहर विकास में भागीदार बनना होगा, तभी हमारा शहर तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ सकेगा। देश और प्रदेश के कई शहर ऐसे हैं जहां पर लोगों की सहभागिता से विकास के अच्छे कार्य हुए हैं। हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपने शहर के विकास में भी भागीदार बनना जरूरी है।

क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया की पहल पर जनभागीदारी के लिये जो प्रयास प्रारंभ हुआ है वह बहुत ही सराहनीय है और हम सबके सहयोग से इसके सार्थक परिणाम भी हमें मिलेंगे, इसकी पूरी आशा है। समाज का हर वर्ग अपने-अपने स्तर पर कुछ न कुछ विकास में भागीदारी की जिम्मेदारी उठाए, इसके लिये हम सबको आगे आना होगा।

बैठक में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिये धन एकत्र करना हमारा उद्देश्य नहीं है, हमारा उद्देश्य है कि शहर विकास में शहर के नागरिकों की भागीदारी बढ़े और शहर के सकारात्मक कार्यों में नागरिकों की रूचि को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में पूर्व में हमारा अस्पताल नम्बर वन अभियान भी चलाया गया था, जिसमें 52 स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़कर अस्पताल के विकास और बेहतरी के लिये जन सहयोग से कार्य किया गया है। इस अभियान की तर्ज पर ही हमें आंगनबाड़ी केन्द्रों, संजीवनी क्लीनिकों, पार्कों, चौराहों के विकास में सभी की सहभागिता अपेक्षित है।

बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि शहर में 6 संजीवनी क्लीनिक संचालित हैं, जिनका विकास जनभागीदारी से किया जाना अपेक्षित है। इसमें समाज के सभी वर्गों से सहयोग लेकर यहां की चिकित्सकीय सुविधा के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही शहर की आंगनबाड़ी केन्द्रों में विभिन्न संस्थाओं की मदद से अधोसंरचना की पूर्ति, बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति तथा स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को और बेहतर करने की दिशा में जनभागीदारी से कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों और पार्कों के विकास में भी लोगों की सहभागिता से कार्य कराए जाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से डस्ट फ्री सड़कों के निर्माण के लिये पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य भी हाथ में लिए जायेंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण भी होगा और डस्ट फ्री सड़क भी बन सकेंगी।

25 दिसम्बर को मनाया जायेगा ग्वालियर गौरव दिवस

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में बताया कि ग्वालियर में प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इसके लिये लिंक आधारित वेबसाइट विकसित कर लोगों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा जायेगा, जो ग्वालियर विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं एवं सहयोग देने के इच्छुक हैं। गौरव दिवस के उपलक्ष्य में शहर में बड़े स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा।

समाज के विभिन्न वर्गों ने विकास में भागीदारी की दिखाई रूचि

शहर विकास में जनभागीदारी के लिए आयोजित बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के सामने शहर के विभिन्न वर्गों ने शहर विकास में अपनी भागीदारी करने की इच्छा व्यक्त की। किसी ने पार्क विकास की बात कही तो किसी ने चौराहों के विकास और आंगनबाड़ी केन्द्र में सहयोग की बात कही। संजीवनी क्लीनिकों के विकास में भी अपनी भागीदारी पर सहमति व्यक्त की है। बैठक में विकास के लिये दी गई सहमति को सूचीबद्ध कर कार्ययोजना तैयार की जायेगी, जिसके आधार पर जनभागीदारी से विकास के कार्य किए जायेंगे।

ग्वालियर शहर में जल्द होगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच- केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

जीडीसीए एवं सीडीसीए की साधारण सभा की वार्षिक बैठक में अंचल की क्रिकेट की बेहतरी को लेकर हुई चर्चा

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री एवं ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमी जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के साक्षी बनेंगे। ग्वालियर में निर्माणाधीन अत्याधुनिक स्टेडियम अगले 10 से 11माह के भीतर तैयार हो जाएगा। इसके बाद मध्यप्रदेश के कोटे का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच ग्वालियर में खेला जाएगा। श्री सिंधिया ग्वालियर डिवीजन एवं चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशनस की एजीएम (वार्षिक साधारण सभा) को संबोधित कर रहे थे। रविवार को यहाँ एमआईटीएस के सभागार में आयोजित हुई साधारण सभा की संयुक्त बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने दोनों क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र की क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रभावी ढंग से क्रिकेट कैंप आयोजित करें। उन्होंने कहा जड़ मजबूत होने पर ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट तक पहुँचा जा सकता है। श्री सिंधिया ने कहा खुशी की बात है मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने पिछले दो साल में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वेंकटेश अय्यर व आवेश खान अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं और वर्तमान में आईपीएल में खेल रहे हैं। ग्वालियर व चंबल डिवीजन के क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा वैश्विक महामारी कोविड की वजह से खेल गतिविधियाँ भी कठिन दौर से गुजरी हैं। अब फिर से स्वतंत्र वातावरण में क्रिकेट खिलाड़ी अपने उत्क्रष्ट प्रदर्शन के लिए उत्सुक हैं। क्रिकेट एसोसिएशन खिलाड़ियों को हर संभव मदद करेगी। श्री सिंधिया ने सदस्यों को भरोसा दिलाया कि चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा और श्रेष्ठतम खिलाड़ी ही टीम में शामिल किए जाएँगे।

चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बने श्री सिंधिया

चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को सर्व सम्मति से एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। श्री सिंधिया ने कहा कि इस नई जिम्मेदारी पर खरा उतरने की वह पुरजोर कोशिश करेंगे और चंबल डिवीजन की क्रिकेट को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की जायेंगी। अभी तक श्री प्रशांत मेहता चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे।

उदयीमान क्रिकेटर यशवर्धन का किया सम्मान

साधारण सभा की बैठक में केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर के उदयीमान क्रिकेटर यशवर्धन चौहान को क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बल्ला और नकद राशि भेंट कर सम्मानित किया। उम्दा क्रिकेट खेलकर नए सचिन तेंदुलकर के नाम से अपनी पहचान स्थापित कर चुके यशवर्धन ने बीते दिनों इंदौर में आयोजित हुए एक प्रतिष्ठित क्रिकेट टूर्नामेंट में 425, 235, 391 व 140 रनों की पारियाँ खेलकर एक ही सीरीज में कुल 1303 रन बनाने का कीर्तिमान स्थापित कर देश भर के क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है।

वार्षिक क्रिकेट कैलेंडर सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई चर्चा

ग्वालियर एवं चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन की अलग-अलग बैठकों में प्रस्तावित वार्षिक कैलेंडर पर चर्चा हुई। साथ ही अगले साल के बजट का अनुमोदन किया गया। एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रशांत ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जीडीसीए के खिलाड़ी: बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020-21 में ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के विक्रांत भदौरिया ने अंडर-19 इंडिया ए चैलेंजर ट्रॉफी, अमन भदौरिया ने अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी, शुभम कुशवाह ने अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी इंडिया डी एवं यतेन्द्र प्रजापति ने अंडर-18 चैलेंजर ट्रॉफी में प्रतिनिधित्व कर ग्वालियर का नाम रोशन किया। इसी तरह महिला क्रिकेट में सुश्री अनुष्का शर्मा ने गर्ल्स अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी खेली। साथ ही अंडर-18 इंडिया बी टीम की कप्तानी भी की।

चंबल की बालिकाओं ने इंदौर को पारी के अंतर से हराया: चंबल डिवीजन की अंडर-14 गर्ल्स क्रिकेट टीम ने इतिहास रचा है। इस टीम ने इंदौर की सशक्त टीम को एक पारी और 318 रन से हराकर कीर्तिमान स्थापित किया है। चंबल डिवीजन की सीनियर और जूनियर बालक टीमों ने भी कई प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सफलता हासिल की है।

बैठक में इनकी रही मौजूदगी

जीडीसीए व सीडीसीए साधारण सभा की वार्षिक बैठकों में कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रशांत मेहता, एमपीसीए के ऑब्जरबर श्री संग्राम कदम, एमपीसीए के मेंबर श्री संजय आहूजा, एमपीसीए के मेंबर एवं जीडीसीए के पूर्व सचिव श्री रवि पाटनकर व सीडीसीए के सचिव श्री तसलीम खान तथा सर्व श्री बालेंदु शुक्ल, रमेश अग्रवाल व श्री उमेश सिंह सहित दोनों एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी व सदस्य गण मौजद थे।

चैत्र महीने की अमावस्या दो दिन तक, 31 मार्च को श्राद्ध-पूजा, 1 अप्रैल को स्नान-दान शुभ

इस साल चैत्र महीने की अमावस्या तिथि दो दिन यानी 31 मार्च और 1 अप्रैल को रहेगी। अमावस्या को धर्म ग्रंथों में पर्व कहा गया है। इस तिथि पर पितरों की विशेष पूजा की जाती है। ज्योतिष के नजरिये से इस दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में आ जाते हैं। इन दोनों के ग्रहों के बीच का अंतर 0 डिग्री हो जाता है। हर महीने की अमावस्या पर कोई न कोई व्रत या पर्व मनाया जाता है। ये तिथि पितरों की पूजा के लिए खास मानी जाती है। इसलिए इस दिन पितरों की विशेष पूजा करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है।

व्रत-पूजा और श्राद्ध के लिए शुक्रवार

31 मार्च, गुरुवार को अमावस्या तिथि दोपहर 12 बजे बाद शुरू होगी। जो अगले दिन दोपहर करीब 12 बजे तक रहेगी। इसलिए इस दिन व्रत और पीपल पूजा के साथ ही पितरों के लिए श्राद्ध किया जाएगा। साथ ही इस दिन अमावस्या तिथि में होने वाली हर तरह की पूजा की जा सकेगी।

स्नान-दान के लिए शुक्रवारी अमावस्या

1 अप्रैल, शुक्रवार को भी अमावस्या तिथि सूर्योदय से दोपहर 12 बजे तक रहेगी। इसलिए इस दिन स्नान-दान करना चाहिए। इस दिन तीर्थ या पवित्र नदी के जल से नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। साथ ही इस दिन किए गए दान का कई गुना पुण्य फल मिलता है। ये हिंदू कैलेंडर के साल की पहली अमावस्या है।

अमावस्या से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

1. ज्योतिष में अमावस्या को रिक्ता तिथि कहा जाता है यानी इस तिथि में किए गए काम का फल नहीं मिलता।
2. अमावस्या को महत्वपूर्ण खरीदी-बिक्री और हर तरह के शुभ काम नहीं होते हैं। इस दिन पूजा पाठ का महत्व है।
3. ज्योतिष में अमावस्या को शनिदेव की जन्म तिथि माना गया है।
4. इस तिथि में पितरों के उद्देश्य से किया गया दानादि अक्षय फलदायक होता है।
5. सोमवार या गुरुवार को पड़ने वाली अमावस्या को शुभ माना जाता है।
6. रविवार को अमावस्या होना अशुभ माना जाता है।
7. इस तिथि पर भगवान शिव और पार्वती देवी की विशेष पूजा करने से मनोकामना पूरी होती है।

बुधवार के दिन करें ये उपाय, हर मनोकामना होगी पूरी

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान श्री गणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से भक्तों के सारे संकट दूर हो जाते हैं और गणेश जी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। भगवान गणेश अग्रपूज्य और विघ्नहर्ता देवता हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत इनकी पूजा से ही होती है। ऐसे में जिन जातकों की कुंडली में बुध दोष है या जो शारीरिक, आर्थिक या मानसिक परेशानी से गुजर रहे हैं वे लोग इन कष्टों के निवारण के लिए बुधवार के दिन कुछ उपाय कर सकते हैं, जिनकों करने से विघ्नहर्ता श्री गणेश जी प्रसन्न होंगे। साथ ही आपकी कुंडली का बुध दोष या किसी भी कार्य में आ रही विघ्न-बाधा दूर हो जाएगी।

धार्मिक मान्यता है कि बुधवार के दिन हरे रंग के कपड़े पहनना शुभ होता है। इसके अलावा यदि आपका बुध कमजोर है, तो आप हमेशा अपने पास हरे रंग का रुमाल रखें। साथ ही बुधवार के दिन किसी जरूरतमंद को हरी मूंग की दाल या हरे वस्त्र दान करें। ऐसा करने से बुध ग्रह सही होता है।

मान्यताओं के अनुसार बुधवार के दिन आप किसी भी गणेश मंदिर जाएं और उनसे अपनी सभी मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। ऐसा तब तक करें, तब तक आपका कार्य पूर्ण न हो। ऐसा करने से गौरी पुत्र गणेश आप पर प्रसन्न होंगे और आपकी मुराद भी पूरी करेंगे।

गणेशजी को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। यदि आप प्रत्येक बुधवार को 21 दूर्वा गणेश जी को चढ़ाएंगे तो आपके जीवन में कभी परेशानियां नहीं आएंगी। साथ ही गजानन का आशीर्वाद आप पर सदैव बना रहेगा।

यदि आपके जीवन में परेशानियां आ रही हैं तो उनसे निजात पाने के लिए बुधवार के दिन गाय को हरी घास

खिलानी चाहिए। मान्यता है कि घर में आर्थिक उन्नति होती है और सदैव देवी-देवताओं की कृपा आप पर बनी रहेगी। बुधवार के दिन पूजा करते समय भगवान गणेश के माथे पर सिंदूर लगाकर तिलक करें। इसके बाद अपने माथे पर भी लगाएं। इससे हर कार्य में सफलता मिलेगी।

बुधवार के दिन भगवान गणेश को मोदक का भोग जरूर लगाएं। कहा जाता है कि भगवान गणेश को मोदक यानी लड्डू बेहद प्रिय है। इसलिए उनकी पूजा में मोदक का प्रसाद अवश्य रखा जाता है। मानसिक शांति के लिए बुधवार के दिन गणेश जी को शमी के पत्ते अर्पित करने चाहिए। इससे तनाव और मानसिक कष्ट दूर होता है। साथ ही कहा जाता है कि ये उपाय बुद्धि तेज भी करता है।

अगले महीने लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण...

साल 2022 का पहला सूर्य ग्रहण 30 अप्रैल 2022 को लगेगा। यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा, जो कि दोपहर 12 बजकर 15 मिनट से शाम 04 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। यह ग्रहण दक्षिण/पश्चिम अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक और अंटार्कटिका में दिखाई देगा। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, सूर्य ग्रहण का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा। ज्योतिषशास्त्र में सूर्य ग्रहण को एक महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, नए साल 2022 में साल कुल चार ग्रहण लगने का योग बना है। इसमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण लगेंगे। हालांकि, इन सभी ग्रहणों में से कुछ ग्रहण भारत में दिखाई देंगे तो वहीं, कुछ ग्रहणों को भारत में आंशिक रूप या नहीं देखा जा सकेगा। ऐसे में जहाँ ग्रहण नहीं देखे जाएंगे, वहां इनका सूतक काल भी प्रभावी नहीं होगा। लेकिन जहाँ ग्रहण दिखाई पड़ेंगे, वहां इसका प्रभाव हर व्यक्ति के ऊपर किसी न किसी रूप से ज़रूर पड़ेगा।

साल 2022 का पहला सूर्य ग्रहण 30 अप्रैल 2022 को लगेगा। यह आंशिक सूर्य ग्रहण होगा, जो कि दोपहर 12 बजकर 15 मिनट से शाम 04 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। यह ग्रहण दक्षिण/पश्चिम अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक और अंटार्कटिका में दिखाई देगा। ज्योतिषाचार्य डॉ राजेंद्र प्रकाश गुप्त के अनुसार नए साल का यह पहला ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि यह खगोलीय घटना देश में सूर्योदय से पहले होगी। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, सूर्य ग्रहण का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा। हालाँकि, कुछ राशियों पर इसका विशेष प्रभाव देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं इन राशियों का राशिफल -

धनु राशि

धनु राशि के जातकों को सूर्य ग्रहण से शुभ परिणाम हासिल होंगे। आपको कार्यस्थल में सफलता हासिल होगी। आपके काम को सराहा जाएगा और आपको वरिष्ठ अधिकारीयों का सहयोग प्राप्त होगा। अगर किसी नई योजना पर काम करना चाह रहे हैं तो समय आपके अनुकूल है। इस दौरान आपको धन अर्जित करने के कई अवसर मिलेंगे। जो जातक विदेश जाने का सपना देख रहे हैं, उनकी इच्छा पूरी होगी। आपको कहीं से अटका हुआ धन मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए साल 2022 का पहला सूर्य ग्रहण बेहद शुभ साबित होगा। इससे आपको धन लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्यस्थल में आपको मान -सम्मान हासिल होगा। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापारी जातकों के लिए भी यह ग्रहण फलदायी साबित होगा। इस दौरान आप कारोबार के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे आपको धन लाभ होगा। सरकारी नौकरी वाले जातकों को अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए ये सूर्य ग्रहण काफी शुभ परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, अच्छी नौकरी का ऑफर मिल सकता है। कार्यस्थल में पदोन्नति और इंक्रीमेंट के योग हैं। जो लोग नया काम शुरू करना चाह रहे हैं, उनकी योजनाएँ सफल होंगी। आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे आपको धन अर्जित करने के मौके मिलेंगे।

25 मार्च को घर-घर पूजी जाएंगी शीतला माता, पूजा का महत्व व आराधना मंत्र

सनातन धर्म में प्राचीन काल से ही दैहिक,दैविक एवं भौतिक कष्टों के निवारण के लिए देवी-देवताओं की अलग-अलग रूपों में पूजा करने का विधान अनेक धर्मशास्त्रों में बताया गया है। अर्थात देवी-देवता हर प्रकार के कष्टों से सदैव हमारी रक्षा करते हैं। ऐसा ही एक रूप है मां पार्वती स्वरूपा मां शीतला देवी का जिनकी उपासना अनेक संक्रामक रोगों से हमें रोग मुक्त करती है। मां शीतला देवी की पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को की जाती है। इस वर्ष यह पर्व 25 मार्च ,गुरूवार को मनाया जाएगा। प्रकृति के अनुसार शरीर निरोगी हो,इसलिए भी शीतला अष्टमी की पूजा-व्रत करना चाहिए। शीतला अष्टमी 2022: शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं।अष्टमी के दिन बासी पकवान ही देवी को नैवेद्ध के रूप में समर्पित किए जाते हैं।

पूजा का महत्व

भगवती शीतला की पूजा-अर्चना का विधान भी अनोखा होता है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं।अष्टमी के दिन बासी पकवान ही देवी को नैवेद्ध के रूप में समर्पित किए जाते हैं। लोकमान्यता के अनुसार आज भी अष्टमी के दिन कई घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता है और सभी भक्त ख़ुशी-ख़ुशी प्रसाद के रूप में बासी भोजन का ही आनंद लेते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि इस समय से ही बसंत की विदाई होती है और ग्रीष्म का आगमन होता है,इसलिए अब यहाँ से आगे हमें बासी भोजन से परहेज करना चाहिए। शीतला माता के पूजन के बाद उस जल से आँखें धोई जाती हैं। यह परंपरा गर्मियों में आँखों का ध्यान रखने की हिदायत का संकेत है। माता का पूजन करने के बाद हल्दी का तिलक लगाया जाता है, घरों के मुख्यद्वार पर सुख-शांति एवं मंगल कामना हेतु हल्दी के स्वास्तिक बनाए जाते हैं। हल्दी का पीला रंग मन को प्रसन्नता देकर सकारात्मकता को बढ़ाता है, भवन के वास्तु दोषों का निवारण होता है।

मां की उपासना मंत्र

स्कंद पुराण में वर्णित माँ का यह पौराणिक मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः' भी प्राणियों को सभी संकटों से मुक्ति दिलाकर समाज में मान सम्मान पद एवं गरिमा की वृद्धि कराता है। जो भी भक्त शीतला माँ की भक्तिभाव से आराधना करते हैं माँ उन पर अनुग्रह करती हुई उनके घर-परिवार की सभी विपत्तिओं से रक्षा करती हैं। माँ का ध्यान करते हुए शास्त्र कहते हैं कि, 'वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।मार्जनीकल शोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम् || अर्थात- मैं गर्दभ पर विराजमान, दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली,सूप से अलंकृत मस्तक वाली भगवती शीतला की वंदना करता हूं।

मां शीतला

इस वंदना मंत्र से यह पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं।ऋषि-मुनि-योगी भी इनका स्तवन करते हुए कहते हैं कि ''शीतले त्वं जगन्माता शीतले त्वं जगत्पिता।शीतले त्वं जगद्धात्री शीतलायै नमो नमः अर्थात- हे माँ शीतला ! आप ही इस संसार की आदि माता हैं, आप ही पिता हैं और आप ही इस चराचर जगत को धारण करतीं हैं अतः आप को बारम्बार नमस्कार है।

चैत्र माह का पहला प्रदोष व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार हर माह की कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत किया जाता है। प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में बहुत ही ज्यादा महत्व है। त्रयोदशी तिथि भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। शीघ्र ही प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाने वाले शिव शंकर की पूजा के लिए प्रदोष तिथि अत्यंत ही शुभ मानी गई है। इस दिन शिवजी के भक्त विधि-विधान से व्रत रखते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। पौराणिक मान्यता है कि विधि-विधान से प्रदोष व्रत करने वाले जातक से प्रसन्न होकर महादेव उस पर अपनी पूरी कृपा बरसाते हैं। त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष काल में माता पार्वती और भगवान भोलेशंकर की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष काल में की गई भगवान शिव की पूजा कई गुना ज्यादा फलदायी होती है। तो चलिए जानते हैं चैत्र माह का पहला प्रदोष व्रत कब है और महत्व के बारे में...

कब पड़ेगा प्रदोष व्रत

हर महीने में दो प्रदोष व्रत पड़ते हैं। हिंदी पंचांग के अनुसार, चैत्र माह का पहला प्रदोष व्रत 29 मार्च 2022, मंगलवार को पड़ने जा रहा है। ये मार्च महीने का आखिरी और चैत्र माह का पहला प्रदोष व्रत होगा।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

मंगलवार के दिन पड़ने की वजह से ये प्रदोष व्रत भौम प्रदोष व्रत कहलाएगा। मान्यता है कि भौम प्रदोष व्रत को विधि-विधान से करने पर व्यक्ति के जीवन से जुड़े सभी कर्ज दूर होते हैं और शिव की कृपा से उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। जिस प्रकार सोमवार को प्रदोष व्रत पड़ता है, तो सोम प्रदोष कहलाता है। ठीक उसी प्रकार मंगलवार को पड़ने वाले प्रदोष को भौम प्रदोष कहा जाता है। यानी अलग-अलग वार को पड़ने की वजह से प्रदोष व्रत का नामकरण भी अलग-अलग किया जाता है।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत वाले दिन प्रातः काल सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि करें और उसके बाद पावन प्रदोष व्रत का संकल्प लें। इसके बाद शिवजी की पूजा करें। वहीं दिन में भगवान शिव का मनन एवं कीर्तन करते हुए शाम के समय एक बार फिर स्नान करें और सूर्यास्त के समय प्रदोषकाल में भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करें।

इन बातों का रखें ध्यान

प्रदोष व्रत वाले दिन कुश के आसन पर उत्तर-पूर्व की दिशा में मुंह करके भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। कहा जाता है कि प्रदोष व्रत वाले दिन भगवान शंकर की पूजा में 'ऊं नमः शिवायः' मंत्र का माला जप करने पर विशेष फल मिलता है।

चमत्कारी है महामृत्युंजय मंत्र, हिंदी अर्थ और जाप के फायदे

यदि आप भयमुक्त, रोगमुक्त जिंदगी चाहते हैं और अकाल मृत्यु के डर से खुद को दूर करना चाहते हैं, तो आपको भगवान शिव के सबसे प्रिय 'महामृत्युंजय मंत्र' का जाप करना चाहिए। महामृत्युंजय सबसे शक्तिशाली मंत्रों में से एक है, जिसका जाप करने से भगवान शिव बेहद प्रसन्न होते हैं। महामृत्युंजय मंत्र का उल्लेख ऋग्वेद से लेकर यजुर्वेद तक में मिलता है। इसके अलावा शिवपुराण और अन्य ग्रंथो में भी इसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है। संस्कृत में महामृत्युंजय उस व्यक्ति को कहते हैं, जो मृत्यु को जीतने वाला हो। इसलिए भगवान शिव की स्तुति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाता है। शिवपुराण के अनुसार महामृत्युंजय मंत्र के जाप से संसार के सभी कष्ट से मुक्ति मिलती है। साथ ही इससे जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है। तो चलिए आज जानते हैं महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी मतलब और महत्व के बारे में विस्तार से...

महामृत्युंजय मंत्र के फायदे

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

महामृत्युंजय मंत्र का हिंदी अर्थ

हिंदी में इसका अर्थ है- हम त्रिनेत्र को पूजते हैं, जो सुगंधित हैं और हमारा पोषण करते हैं। जैसे फल शाखा के बंधन से मुक्त हो जाता है वैसे ही हम भी मृत्यु और नश्वरता से मुक्त हो जाएं।

कब और कैसे करें मंत्र का जाप ?

महामृत्युंजय मंत्र का जाप रोजाना सुबह 4 बजे या ऑफिस जाने से पहले करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि ये मंत्र नकारात्मकता को दूर करने में मदद करता है। शिवपुराण के अनुसार इस मंत्र का 108 बार जाप करने से व्यक्ति को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है।

वहीं रोगों से मुक्ति के लिए 11000 मंत्रों का जाप करना चाहिए।

पुत्र की प्राप्ति, जीवन में उन्नति और अकाल मृत्यु से बचने के लिए सवा लाख की संख्या में मंत्र जप करना शुभ माना गया है।

अगर आप इतनी संख्या में इसका जाप नहीं कर सकते, तो आप कम से कम 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर सकते हैं।

होलिका दहन पर रहेगा भद्रा का साया

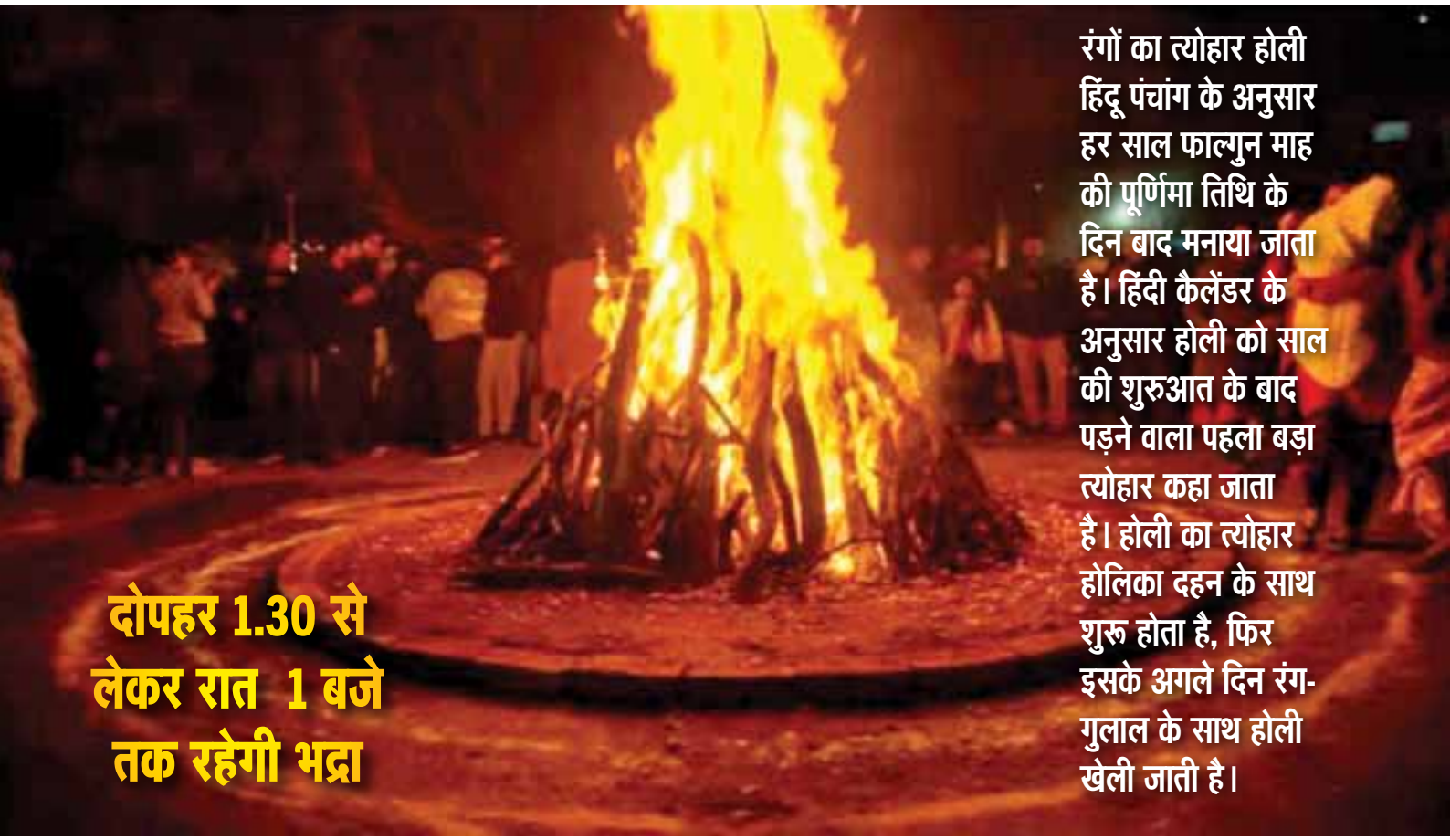

दोपहर 1.30 से लेकर रात 1 बजे तक रहेगी भद्रा

रंगों का त्योहार होली हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन बाद मनाया जाता है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार होली को साल की शुरुआत के बाद पड़ने वाला पहला बड़ा त्योहार कहा जाता है। होली का त्योहार होलिका दहन के साथ शुरू होता है, फिर इसके अगले दिन रंग-गुलाल के साथ होली खेली जाती है।

इस बार होलिका दहन 17 मार्च 2022 को है फिर उसके एक दिन बाद 18 मार्च को होली खेली जाएगी। लेकिन 17 मार्च को होलिका दहन गोधूलि बेला में नहीं हो पाएगा। होलिका दहन भद्रा रहित होना चाहिए इस कारण होलिका दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के बाद मध्य रात्रि में होगा। 10 मार्च से होलाष्टक शुरू हो जाएगा, जो कि होलिका दहन तक रहेगा। इन आठ दिनों में हर तरह के शुभ और मांगलिक काम करने की मनाही होती है। ग्रंथों के मुताबिक इन दिनों में भगवान विष्णु की पूजा और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना शुभ होता है। इस बार होलिका दहन पर भद्रा की छाया रहेगी जिस वजह होलिका दहन मध्य रात्रि में होगा।

दोपहर 1.30 से लेकर रात 1 बजे तक रहेगी भद्रा : होलिका दहन के दिन भद्रा का साया रहेगा। 17 मार्च को भद्रा दोपहर 01:30 बजे से मध्य रात्रि 01:13 बजे तक रहेगी। चूंकि होलिका दहन भद्रा रहित होना चाहिए, इस कारण होलिका दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के बाद मध्य रात्रि में होगा। 17 मार्च को भद्रा के पुच्छ काल में भद्रा पुच्छ मुहूर्त रात्रि 09:08 बजे से रात्रि 10:20 बजे तक होलिका दहन कर सकते हैं।

भद्रा पुच्छ मुहूर्त में कर सकते हैं होलिका दहन ...

चूंकि18 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि न होने कारण शास्त्रों के मतानुसार 17 मार्च को भद्रा के पुच्छ काल में भद्रा पुच्छ मुहूर्त रात्रि 09:08 बजे से रात्रि 10:20 बजे तक होलिका दहन कर सकते हैं। भद्रा काल में मांगलिक कार्य या उत्सव का आरंभ या समाप्ति अशुभ मानी जाती है, इसलिए भद्रा काल की अशुभता को मानकर कोई भी व्यक्ति शुभ कार्य नहीं करता।

कोई भी शुभ कार्य करने से पूर्व भद्रा का विशेष ध्यान रखा जाता है। भद्रा काल में मांगलिक कार्य या उत्सव का आरंभ या समाप्ति अशुभ मानी जाती है, इसलिए भद्रा काल की अशुभता को मानकर कोई भी व्यक्ति शुभ कार्य नहीं करता। कर्क, सिंह, कुंभ और मीन राशि में चंद्रमा के गोचर पर भद्रा विष्टीकरण का योग बनता है। इस अवधि में भद्रा पृथ्वी लोक में रहती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भद्रा सूर्य देव की पुत्री और शनिदेव की बहन है। भद्रा को क्रोधी स्वभाव का माना जाता है और उनके इसी स्वभाव को नियंत्रित करने के लिए ब्रह्माजी ने उन्हें कालगणना में एक प्रमुख अंग विष्टीकरण में स्थान दिया। हिंदी पंचांग के पांच प्रमुख अंग होते हैं- तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण। इसमें करण की संख्या 11 होती है। 11 करणों में 7वें करण विष्टि का नाम भद्रा है। मान्यता है कि ये तीनों लोक में भ्रमण करती है और इस कारण भद्रा काल में किसी भी प्रकार का कोई शुभ कार्य या उत्सव नहीं मनाए जाते है।

होलिका दहन की पूजा करने के लिए सबसे पहले स्नान करना जरूरी है। स्नान के बाद होलिका की पूजा वाले स्थान पर उत्तर या पूरब दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं। पूजा करने के लिए गाय के गोबर से होलिका और प्रहलाद की प्रतिमा बनाएं। वहीं पूजा की सामग्री के लिए रोली, फूल, फूलों की माला, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी,.मूंग, बताशे, गुलाल नारियल, 5 से 7 तरह के अनाज और एक लोटे में पानी रख लें। इसके बाद इन सभी पूजन सामग्री के साथ पूरे विधि-विधान से पूजा करें। मिठाइयां और फल चढ़ाएं। पूजा के साथ ही भगवान नरसिंह की भी विधि-विधान से पूजा करें और फिर होलिका के चारों ओर सात बार परिक्रमा करें।

होली पर कर लें ये महाउपाय

होली के त्योहार का एक खास महत्व है। होली का यह पावन पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा के अगले दिन पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। रंग खेलने से ठीक पहले फाल्गुन पूर्णिमा की रात में होलिका दहन किया जाता है। ऐसे में 2022 में होलिका दहन 17 मार्च को होगा जबकि रंग वाली होली 18 मार्च , शुक्रवार को मनाई जाएगी। वैसे भी भारत की होली पूरी दुनिया में मशहूर है। ब्रज की होली तो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। होली को राधा-कृष्ण का त्योहार कहा जाता है। फुलेरा दूज से होली की शुरुआत हो चुकी है। मथुरा-वृंदावन की होली देखने के लिए तो दुनिया के कोने-कोने से लोग आते हैं। यहाँ इस दौरान होली के कई रूप देखने को मिलते हैं। होली के दिन रंगों में सराबोर होने के साथ यदि आप अपनी सुख समृद्धि के लिए कुछ विशेष उपाय करेंगे तो आपके घर धन की बरसात होगी।

होली के दिन गणेश जी की पूजा का विधान है। इस दिन भगवान गणेश को ठंडाई का भोग लगाएं और इसके बाद उसे प्रसाद के रूप में सबको बांट दें। ऐसा करने से भाग्योदय होता है और किस्मत साथ देने लगती है। होली के दिन राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापित कर उनकी पूजा करें और उन्हें गुलाबी रंग का गुलाल अर्पित करें।

होली को राधा कृष्ण का पर्व माना जाता है। इसलिए होली के दिन राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापित कर उनकी पूजा करें और उन्हें गुलाबी रंग का गुलाल अर्पित करें। ऐसा करने से आपका दंपती जीवन खुशनुमा बना रहेगा। यदि आपके घर में कोई झण्डा लगा है तो होली के दिन उस झंडे को जरूर बदलें, ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि आएगी और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

घर या दफ्तर की पूर्व दिशा में उगते हुए सूरज की तस्वीर लगाएं। यदि आप चाहते हैं घर में धन की कमी न हो और आर्थिक रूप से उन्नति की चाह हो तो घर या दफ्तर की पूर्व दिशा में उगते हुए सूरज की तस्वीर लगाएं। इससे आपको लाभ की प्राप्ति होगी। इस उपाय से धन के साथ प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी।

....मां लक्ष्मी की होगी कृपा

होली का पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। वहीं होली के ठीक एक दिन पहले होलिका दहन करने की परंपरा है। इस साल होली का ये पावन पर्व 17 और 18 मार्च को मनाया जाएगा। यानी 17 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा और 18 मार्च को रंगों की होली खेली जाएगी। भारत में फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के अगले दिन यानी चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को रंग वाली होली खेली जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि होलिका दहन की अग्नि में आहुति देने से जीवन की नकारात्मकता समाप्त होती है। साथ ही परिवार में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। ज्योतिष में होलिका की रात में किए गए उपाय बहुत कारगर माने जाते हैं। साथ ही होलिका की राख से किए गए उपाय आपको सभी परेशानियों से दूर कर सकते हैं और आप मां लक्ष्मी मेहरबान हो सकतीं हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वो उपाय- ज्योतिष शास्त्र की मानें तो होलिका की भस्म को घर के हर कोने में छिड़कने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

राहु-केतु दोष होता है दूर

होलिका दहन के दिन अगर होलिका की भस्म को लाकर उसे जल में मिश्रित कर शिवलिंग पर चढ़ाएं तो कुंडली में से राहु-केतु दोष या कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है और तरक्की की राह खुल जाती है। होलिका दहन की भस्म को रोगी के शरीर पर लगाने से बीमारी दूर होती है।

बीमारी से मिलता है छुटकारा

यदि किसी के घर में कोई काफी लंबे समय से बीमार है और काफी प्रयासों के बाद सही नहीं हो पा रहा है तो होलिका दहन के समय देशी घी में दो लौंग, एक बताशा और एक पान का पत्ता लेकर होलिका की अग्नि को अर्पित कर दें और अगले दिन इस राख को लाकर रोगी के शरीर पर लगाएं और फिर हल्के हल्के गर्म पानी से स्नान कराएं, ऐसा कराने से उसे जल्द ही स्वास्थ्य लाभ होगा।

नजर दोष से मिलता है छुटकारा

यदि किसी बच्चे या बड़े को जल्दी जल्दी नजर लगती है तो ऐसे में होलिका दहन के समय देशी घी में दो लौंग, एक बताशा, एक पान का पत्ता होलिका की अग्नि में अर्पित करें। इसके बाद अगले दिन होली की भस्म को तांबे या चांदी के ताबीज में भरकर काले धागे में बंधकर बच्चे के गले में पहना दें। ऐसा करने से कभी नजर नहीं लगती।

कोरोना की चपेट में आईं लारा, बीएमसी ने घर किया सील...

भारत में कोरोना वायरस के मामले बेशक कम हो गए हैं लेकिन अब भी इस वायरस से लोग संक्रमित हो रहे हैं। बॉलीवुड में कई सेलिब्रिटीज कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, अब बॉलीवुड से कोरोना वायरस का एक लेटेस्ट मामला सामने आया है। बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। इस बात की जानकारी लारा दत्ता ने नहीं दी। लेकिन कई रिपोर्ट्स में लारा दत्ता के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लारा दत्ता कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। इतना ही नहीं, बीएमसी ने अभिनेत्री का घर भी सील कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीएमसी ने लारा दत्ता के घर के बाहर माइक्रो कंटेनमेंट जोन का पोस्टर लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अपने परिवार में सिर्फ लारा दत्ता ही कोरोना वायरस से संक्रमित हुई हैं। हालांकि, अब तक अभिनेत्री ने इस खबर की पुष्टि नहीं की।

साउथ ही नहीं हिंदी फिल्मों में भी धमाल मचा चुके हैं प्रकाश राज

भारतीय सिनेमा जगत के शानदार अभिनेता प्रकाश राज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। प्रकाश राज बॉलीवुड की फिल्मों में बेशक एक विलेन के रूप में नजर आते हैं लेकिन साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने कई शानदार फिल्में की हैं, जिसका क्रेज आज भी फैंस के बीच देखने को मिलता है। अभिनेता आज अपना 57वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। प्रकाश राज सिर्फ विलेन नहीं बल्कि कॉमेडी फिल्मों में भी एक्टिंग कर साबित कर चुके हैं कि वह वर्सटाइल एक्टर हैं। आज हम आपको प्रकाश राज के करियर की बेस्ट पांच फिल्मों के बारे में बताते हैं, जिसे अगर आपने अब तक नहीं देखी हैं तो इसे जरूर देख लें।

इरुवर :(साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'इरुवर' एक पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसका निर्देशन मणि रत्नम ने किया था। इस फिल्म में प्रकाश राज के अलावा, मोहनलाल, ऐश्वर्या राय, गौमती और तब्बू नजर आए हैं। फिल्म में मोहनलाल और प्रकाश राज को दोस्त से राजनीतिक विरोधियों के रूप में दिखाया गया है। 'इरुवर' तमिल सिनेमा की शानदार फिल्मों में से एक है।

सिंघम : साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम' में प्रकाश राज ने अपने अभिनय से सबको हैरान कर दिया था। इस फिल्म में प्रकाश राज ने शानदार खलनायक की भूमिका निभाई थी और फिल्म में अजय देवगन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

बोम्मारिल्लू : फिल्म 'बोम्मारिल्लू' में जेनेलिया, सिद्धार्थ और प्रकाश राज ने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसका निर्देशन भास्कर ने किया है। फिल्म में पारिवारिक ड्रामा जमकर देखने को मिला था। फिल्म की कहानी पिता और बेटे पर केंद्रित थी। फिल्म में प्रकाश राज ने पिता और सिद्धार्थ ने बेटे की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वॉन्टेड : 'वॉन्टेड' सलमान खान की हिट फिल्मों में से एक है, जिसमें प्रकाश राज ने भी शानदार काम किया था। इस फिल्म में सलमान खान पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई दिए थे और प्रकाश राज विलेन 'गनी भाई' के दमदार किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म ने प्रकाश राज की छवि को हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच मजबूत करने का काम किया है।

परुगु : साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'परुगु' का निर्देशन भास्कर ने किया था। भास्कर और प्रकाश राज की साथ में ये दूसरी फिल्म थी। यह एक एक्शन रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म में प्रकाश राज के साथ अल्लू अर्जुन, पूनम बाजवा, शीला कौर ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रकाश राज फिल्म में पिता की भूमिका में नजर आए थे, जो अपने दोनों बेटियों से बेहद प्यार करते हैं।

मिरर सेल्फी में दिशा ने फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर...

अभिनेत्री ब्लैक ब्रा और शॉर्ट्स पहनकर शीशे के सामने खड़ी होकर अपना सेक्सी फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का परफेक्ट फिगर देखकर उनके फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। इस तस्वीर को अबतक 12 लाख लोग लाइक कर चुके हैं और अभिनेत्री के फैंस उनकी इस तस्वीर को जमकर शेयर कर रहे हैं। अभिनेत्री दिशा पाटनी बॉलीवुड की सबसे सेक्सी और फिट अभिनेत्रियों में शुमार हैं। अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी हॉटनेस के जलवें बिखेरती रहती हैं। आये दिन अपनी सेक्सी तस्वीरों को शेयर करके अभिनेत्री फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। इसी कड़ी को जारी रखते हुए हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी एक हॉट सेल्फी शेयर की जिसपर लोगों की नजरें अटक गयी हैं।

सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही इन सेल्फी को दिशा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इसमें अभिनेत्री ब्लैक ब्रा और शॉर्ट्स पहनकर शीशे के सामने खड़ी होकर अपना सेक्सी फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का परफेक्ट फिगर देखकर उनके फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। इस तस्वीर को अबतक 12 लाख लोग लाइक कर चुके हैं और अभिनेत्री के फैंस उनकी इस तस्वीर को जमकर शेयर कर रहे हैं। इसके अलावा फैंस आग वाले इमोजी के साथ अभिनेत्री के फिगर की तारीफ कर रहे हैं। काम की बात करें तो अभिनेत्री दिशा पाटनी ने हाल ही में एक्शन ड्रामा फिल्म 'योद्धा' की शूटिंग खत्म की है। इस फिल्म में दिशा अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका निभाती नजर आएँगी। इसके अलावा अभिनेत्री फिल्म 'एक विलेन 2' में भी नजर आएँगी।

क्रॉप टॉप पहनकर अभिनेत्री नेहा शर्मा ने दिए कातिलाना पोज

अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपनी मदहोश करने वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की। ब्लैक कलर के क्रॉप टॉप और ट्रॉउज़र पहनें नेहा पर्दे के पीछे खड़े होकर बेहद ही कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं। अपनी इन तस्वीरों में अभिनेत्री बेहद ही हॉट लग रही हैं और उनका परफेक्ट फिगर लोगों पर कहर बरपा रहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उन्हें चाहने वालो की भी लिस्ट बड़ी लंबी है।

रवीना टंडन ने 90s के लुक में शेयर किया वीडियो...

एक्ट्रेस रवीना टंडन अक्सर इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग चैलेंज एक्सेप्ट करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोस्त और अभिनेत्री नीलम कोठारी के साथ ऐसा ही एक चैलेंज को पूरा किया। रवीना ने इसका वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो में रवीना 90 के दशक की एक्सेसरीज दिखाती नजर आ रही हैं। साथ ही वह गोविंदा का हिट गाना 'मेरी पैंट भी...' भी गा रही हैं। अपने फैंस के साथ वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, '#टेकवन और #टेकटू...मेरा स्टाइल भी 90s ! मेरे दोस्त भी 90s .. और सच्ची मुच्ची...मेरी जींस और जूते और बैग सभी 90 के दशक के हैं और मैं भी...हाहाहाहा। हम भी !! वीडियो शेयर करते ही यह तेजी से वायरल होने लगा और इस पोस्ट पर फैंस के साथ इंडस्ट्री के उनके दोस्त भी कमेंट करने लगे। इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए माधुरी दीक्षित ने लिखा, 'ऑसम 90s'। वहीं, नीलम ने इस पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए इसे हिस्टेरिकल बताया। इस पोस्ट पर रवीना के अलावा उनकी बेटी राशा ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'ओह माय गॉड नीलम आंटी बहुत फनी हैं। रवीना का यह इंस्टा पोस्ट उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है। उनके एक फैन ने लिखा, 'मैम हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। वहीं, उनके एक प्रशंसक ने हंसने वाला इमोजी शेयर किया। बता दें कि रवीना इन दिनों संजय दत्त के साथ 'घुड़चढ़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह संजय और यश अभिनीत 'केजीएफः चैप्टर 2' में भी जल्द नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का लोगों को लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में संजय दत्त के साथ रवीना का भी नेगेटिव किरदार है। रवीना की यह फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में लगेगी।

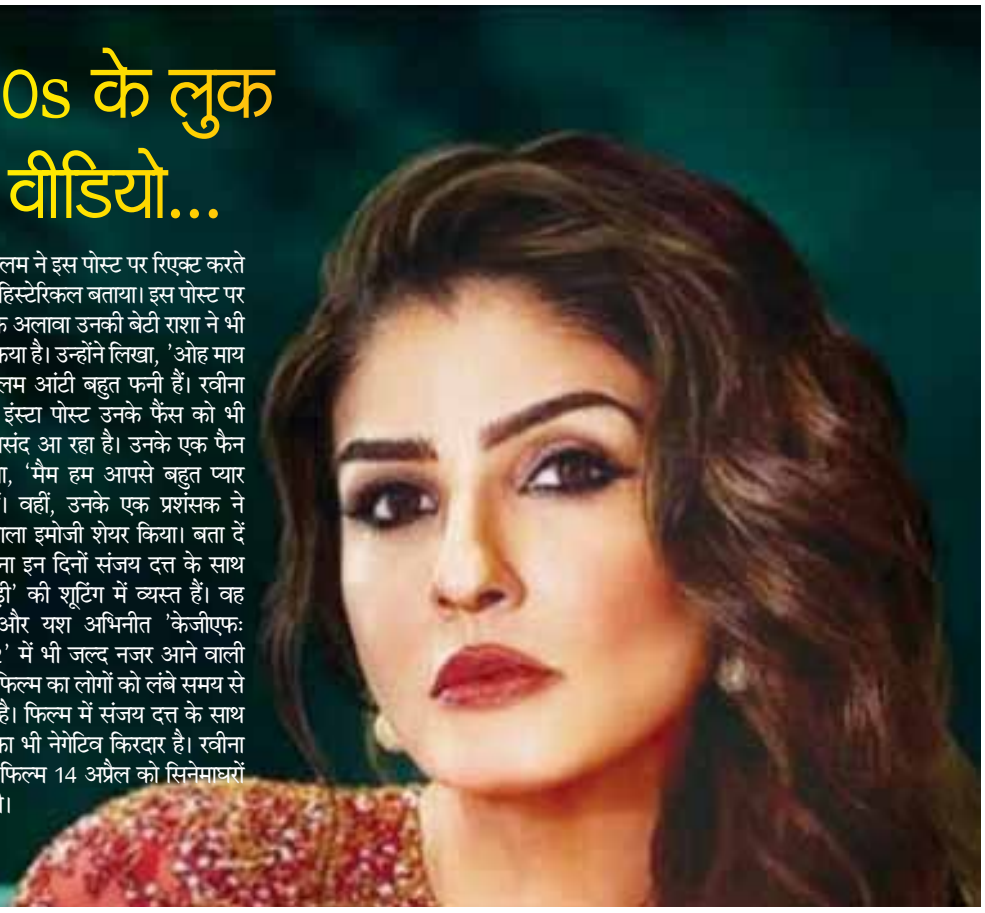

प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद पहली बार पति के साथ एक इवेंट में पहुंचीं सोनम कपूर, बेपी बंप दिया दिखाई

सोनम कपूर जल्द ही मां बनने वाली हैं। उन्होंने इस बात की घोषणा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की थी। प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद पहली बार सोनम को पति आनंद आहूजा के साथ एक स्टोर के लॉन्च पर देखा गया। इस दौरान वह अपने बेबी बंप को भी फ्लांट करती नजर आईं। सोनम ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति आनंद आहूजा के साथ कुछ तस्वीरें साझा कर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। इन तस्वीरों के साथ सोनम ने लिखा था कि चार हाथ, जो आपकी जिनती हो सके उतनी अच्छी परवरिश करेंगे। दो दिल जो आपके साथ धड़केंगे। एक परिवार, जो आपको प्यार और सपोर्ट देगा। हम आपके आने का इंतजार कर रहे हैं। सोनम के इस पोस्ट के बाद से ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया था।

सामंथा प्रभु ने शेयर की वर्कआउट की तस्वीर

फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और शेयर करती रहती हैं। फैंस भी उनकी इन तस्वीरों और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अपनी खूबसूरती और दमदार अदाकारी के दम पर दर्शकों के दिल में जगह बनाने वालीं अभिनेत्री सामंथा आज फैन फॉलोइंग के मामले में कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों को टक्कर देती नजर आती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी तस्वीर शेयर की है। अभिनेत्री की इस तस्वीर को देख उनके फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं। दरअसल एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को लेकर काफी सतर्क रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। इसी क्रम में हाल ही में सामंथा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर अपनी जिम की एक तस्वीर शेयर की है।

MoU signed between Incubation Centres of Gwalior Smart City and Jiwaji University. Mrs. Jayati Singh, CEO and Prof. Avinash Towari, VC formally exchanged the MoUs to form an association of Dream Hatcher Incubation Centre, by Gwalior Smart City and JU's incubation centre. This partnership is aimed at exchange of ideas, mentoring, best practices and infrastructure. This initiative will boost the entrepreneurial mindset in young students.

मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश

मा. भूपेंद्र सिंह
नगर विकास मंत्री, मध्यप्रदेश

प्रशासक
बृज मोहन आर्य

कौशलेंद्र विक्रम सिंह
कलेक्टर, ग्वालियर

पीयुष श्रीवास्तव
सीएमओ नगर परिषद

पीछोर नगर परिषद समस्त पिछोर नगर वासियों से यह अपील करती है...

1. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखे साथ ही कचड़ा नगर परिषद की कचरा लेने आने बाली गाड़ी में डाले।
2. डेंगू बीमारी डेंगू मच्छरों के काटने से होती है इसलिए डेंगू विमारी से बचने के लिए , आस पास गदंगी ना फैलाये, और ना आस पास गंदे पानी को एकत्रित होने दे। क्योकि मच्छरों पनपने का ऐसे स्थान बहुत उचित होते है ।
3. कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन अवश्य लगवाए जिन्होंने प्रथम डोज लगवा लिया है वो दूसरा डोज अवश्य लगवाये, जिनको प्रथम डोज नही लगा है वो अपने आधार कार्ड को लेकर अस्पताल और वैक्सीनेशन शिविर मैं जाकर रजिस्ट्रेशन कराए और तुरंत वैक्सीन लगवाये। जिससे आप भी सुरक्षित रहे साथ मैं माता पिता और परिवार को सुरक्षित रखे।
4. पिछोर नगर परिषद हमेशा आपकी सेवा मैं तत्यपर्य है आप भी नगर परिषद का सहयोग करे जिससे पीछोर नगर परिषद का विकाश हो सके।
5. पेड़ पौधों को अवश्य लगाएं।
6. करों, नलों के विल का भुगतान अवश्य करें ।
7. कालिंदी उत्सव में आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं ।